वर्ष-3 | अंक-110 | मथुरा, रविवार, 15 जून 2025 | पेज-12 5 रुपया | RNI-UPHIN/2023/85053 डाक पंजीकृत संख्या मथुरा-071/2022-24 डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त: DAVP-: 134220

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

रुदन, विलाप और मातम से भरा रहा पूरा दिन

शहर के कच्ची सड़क इलाके में बड़ा हादसा

मिट्टी धंसने से कई मकान भरभरा कर गिरे

मिट्टी धंसने के बाद अम्बरीष टीला पर गिरे मकानों का नजारा।

दो बालिकाओं समेत तीन की मौत, कई घायल

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शहर के गोविंदनगर थाना इलाका अंतर्गत शाहगंज दरवाजा सिद्ध बाबा मंदिर के समीप कच्ची सड़क क्षेत्र के किनारे टीला धंसने से बड़ा हादसा हो गया। देखते ही देखते आधा दर्जन से अधिक मकान भर–भरा कर गिर गए। मकान के मलबे में दबकर दो बच्चियों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। मलबे में कई लोग दब हो गए। जानकारी के अनुसार शाहगंज दरवाजा इलाके में सिद्ध बाबा मंदिर के निकट सुनील चेन वाले का काफी बड़ा प्लॉट है। उसके ऊपरी हिस्से में टीले पर काफी मकान बने हुए है। दोपहर के वक्त टीले पर बने मकान अचानक तेज आवाज के साथ भरभरा कर गिरने लगे। लोगों को बाहर भागने तक का मौका नहीं मिला। घटना का शिकार होने वाले मोहन लाल ने बताया कि घटना के समय ऐसा महसूस हो रहा था कि जैसे जमीन हिल रही हो। वह घर से बाहर की ओर भागा इस बीच मकान गिर गया। भागते–भागते भी उसके पैर में चोट लग गई। मोहन ने बताया कि लोगों को बाहर निकलने का समय भी नहीं मिला। वहां रहने वाले तोता राम सैनी, सूरजभान गलाई वाले, राधा मणि, मान सिंह और विनोद हलवाई के बच्चों के मकान गिर गए। विनोद हलवाई की वृंदावन के गौतमपाड़ा इलाके में रहने वाली बेटी अपने बच्चों के साथ छुट्टियों में यहां आई हुई थी। बेटियों में छह साल की यशोदा और तीन साल की काव्या भी आई हुई थी। दुर्घटना को देख आस–पास के लोगों ने मलबे की खुदाई करके तोताराम सैनी, मोहन लाल की बेटी यशोदा और काव्या को निकाल कर जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने तीनो को मृत घोषित कर दिया।

अम्बरीष टीला के धंसने पर पहुंचे डीएम सीपी सिंह के साथ एसएसपी श्लोक कुमार हाथ का इशारा कर किसी को आगाह करते हुए।

घायल को निकालकर ले जाते बचाव टीम के जवान।

मुख्यमंत्री ने लिया घटना का संज्ञान

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने मथुरा में टीला धंसने की घटना का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी को निर्देश दिए हैं कि घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध करायें। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने घटना में दो बच्चियों सहित तीन लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवारों को सांत्वना दी है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जिला प्रशासन हरकत में आ गया।

कच्ची सड़क से घटना स्थल की ओर जाने वाले रास्ते पर खड़े लोगों की भीड़।

मलबे में दबकर मरी दो बेटियों की मां बिलखते हुए। उसे सहारा देकर ले जाते लोग।

घायलों को ले जाने के लिए आई एम्बुलेंस।

एक ही झटके में खिसक गई आठ परिवारों के सिर से छत

घटना स्थल पर पहुंची एनडीआरएफ टीम के जवान।

एनडीआरएफ की टीम के साथ श्वान मलबे में दबे लोगों के बारे में जानकारी करता।

यूनिक समय, मथुरा। शाहगंज कच्ची सड़क इलाके में टीले पर बने मकानों की मिट्टी धंसने से कई परिवारों की पूरे जीवन की कमाई एक ही झटके में बर्बाद हो गई। अब न उनके पास रहने को जगह बची न खाने का सामान। इन लोगों ने अपनी पूरी जिंदगी खून पसीना बहाकर तनका तिनका जोड़ कर किसी तरह मकानों को खड़ा किया। उन्हे इस बात का अहसास भी नहीं होगा कि एक ही झटके में उनके परिवार के सिर से छत इस तरह सरक जाएगी और फिर दोबारा मकान शायद ही बना पाएंगे। इस बात को सोच–सोच कर अचानक धराशाही हुए मकान मालिक सोच–सोचकर बुरा हाल है। सभी घरेलू सामान भी पूरी तरह से बर्बाद हो चुका है।

हादसे की खबर से जिला अस्पताल में डॉक्टर हुए अलर्ट

महर्षि दयानंद सरस्वती जिला चिकित्सालय में मृतक के परिवार वाले।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कच्ची सड़क पर हुए हादसे की जानकारी मिलते ही महर्षि दयानंद सरस्वती जिला चिकित्सालय में डॉक्टर्स समेत अन्य कर्मचारी अलर्ट हो गए। सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल ने खुद मोरचा संभाल लिया।

जिला अस्पताल की तैयारियों को देखकर कुछ ऐसा ही लग रहा था। इमरजेंसी (आपात कक्ष) के बाहर वार्ड बॉय मुस्तैदी से खड़े हो गए। एम्बुलेंस से घायल अस्पताल परिसर में आए तो अस्पतालकर्मी फुर्ती के साथ उनको स्ट्रेचर से इमरजेंसी कक्ष तक ले गए। सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल की मानें तो उन्होंने हर घायल को बचाने के लिए डॉक्टर्स को निर्देश दे दिए थे। किसी के उपचार में लापरवाही न बरती जाए। अस्पताल परिसर में मृतकों के परिवारों का कोहराम मचा था। वह अपने बच्चों को देखकर करूण क्रंदन कर रहे थे। मथुरा और वृंदावन के लोग भी अस्पताल पहुंच गए थे।

भाजपा विधायक ने पीड़ितों से की बात

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा-वृंदावन विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्रीकांत शर्मा ने कच्ची सड़क क्षेत्र में हुए हादसे के पीड़ितों से जिला अस्पताल में बातचीत करते उन्हें सांत्वना दी। साथ ही दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कराने का भरोसा दिया। विधायक श्रीकांत शर्मा ने पीड़ित विनोद हलवाई आदि से घटना के बारे में जानकारी की।

डीएम और एसएसपी ने लिया जायजा

यूनिक समय, मथुरा। शहर के शाहगंज इलाके में हुई इस घटना की खबर मिलते ही डीएम चंद्रप्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार भी मौके पर पहुंच गए। इसके साथ ही नगर निगम आयुक्त जगप्रवेश, फायर बिग्रेड, एनडीआरफ एसडीआरएफ टीम भी पहुंच गई। डीएम और एसएसपी ने घटनास्थल का जायजा लिया। डीएम ने कहा कि पांच–छह मकान गिर गए हैं। मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को बुलाकर रेस्क्यू कराया गया। इन टीमों के साथ फायर ब्रिगेड की टीम ने रेस्कयू किया। एसएसपी श्लोक कुमार ने कहा कि हमारी सबसे पहली प्राथमिकता प्रभावित लोगों की मदद की है।

घटना स्थल के नजदीक लोगों के साथ खड़े पुलिस के जवान।

बड़ी तादाद में पुलिसकर्मी तैनात

यूनिक समय, मथुरा। इस इलाके में मकानों के गिरने की सूचना पर बड़ी संख्या में पुलिस और यातायात पुलिस कर्मी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने वहा मौजूद भीड़ को हटवाया और घटनास्थल के दोनों ओर के मार्ग को आवागमन के लिए बंद कर दिया। पुलिस कर्मियों के भीड़ को कंट्रोल करने के लिए काफी मश्क्कत करनी पड़ी। इस मार्ग से गुजरने वालों लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

पुलिस ने भी दिखाई सक्रियता

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंद नगर अंतर्गत कच्ची सड़क क्षेत्र के शाहगंज दरवाजा में सिद्ध बाबा मंदिर के पास मिट्टी का टीला धंसकने से मची अफरा तफरी को देखते पुलिस भी सक्रिय दिखाई दी। घटना स्थल से लेकर जिला अस्पताल तक रास्ते पर पैनी नजर रखी गई, जिससे एम्बुलेंसों को अस्पताल तक पहुंचने में कोई परेशानी न हो। यदि रास्ते में कोई बाधा उत्पन्न हुई तो मृतकों की संख्या बढ़ जाएगी।

घटना स्थल के दबे बच्चे को निकाल कर लाते दमकल कर्मी।

हंसते खेलते परिवार को लग गई नजर

यूनिक समय, मथुरा। दो सगी बहनों और उनके परिवार को क्या मालूम था कि स्कूल की होने वाली छुट्टी उनके जीवन की छुट्टी करने वाली है। दोनों बहनों की मौत पर उसके माता पिता का रो–रोकर बुरा हाल है। गौतम पाड़ा वृंदावन में रहने वाले मोहन लाल की विनोद हलवाई के यहां ससुराल है। मोहन लाल की पत्नी अपनी बेटियों के साथ स्कूल में हुई छुट्टियों को बिताने के लिए अपने मायके आई हुई थी। मां और बच्चों ने सोचा था कि नानी के घर सात आठ दिन रहकर मौज मस्ती करेंगे। लेकिन कुदरत को कुछ और ही मंजूर था। आज इस हंसते खेलते परिवार की दो बेटियां मौत के मुहं में चली गई। बेटियों की मौत पर उसके परिवरा में कोहराम मचा हुआ है।

अंतरजनपदीय लुटेरों को लगी पुलिस की गोलियां, चार गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। फरह पुलिस और एसओजी टीम की अंतरजनपदीय शातिर लुटेरों के साथ हुई मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से तीन लुटेरे घायल हो गए। पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। सीओ रिफाइनरी श्वेता वर्मा ने बताया कि मथुरा एवं आगरा में महिलाओं के चेन व जेवरात मोबाइल फोन छीन कर भागने वाले शातिर बदमाश फरह इलाके में मोटरसाइकिल पर पीछे बैठ कर जा रही एक महिला के कान के झुमके खींच कर भाग गए थे। इसी तरह टेंपों में बैठकर जा रहे व्यक्ति का मोबाइल छीन कर बाइक सवार बदमाश भाग गए थे। इन बाइक सवार बदमाशों ने आगरा में भी इस तरह की कई वारदातों को अंजाम दिया था। बीती रात फरह पुलिस और एसओजी टीम की हाईवे पर शहजादपुर पुल के समीप कल्पतरु की बिल्डिंग के निकट बाइकर गैंग के साथ मुठभेड़ हो गई। बदमाशों ने पुलिस पर गोलियां चलाई। जवाब में पुलिस ने भी गोलियां चलाई। पुलिस की गोली तीन बदमाशों के पैरो में लगी। पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से बदमाश गोपाल, बारत निवासी मिढ़ाकुर थाना किरावली आगर, गुड्डू निवासी आजमपाड़ा थाना शाहगंज आगरा पुलिस की गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने मौके से मिढ़ाकुर थाना किरावली आगरा निवासी सुमित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से महिला से छीनी गई झुमकी, एंडरोयड फोन, 30 हजार रुपये तथा लूटी गई चेन बरामद की। इनके अलावा चार तमंचे कारतूस व लूट व छिनौती में प्रयोग की गई चोरी की पलसर व स्पेलेंडर बरामद की।

मठभेड़ में शामिल पुलिस टीम।

महिलाओं से छीने गए जेवर, मोबाइल तथा नकदी बरामद

वारदातों को अंजाम देने वाली बाइक देशी तमंचा भी मिले

मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल में धरातल पर पहुंची योजनाएं: श्याम चतुर्वेदी

सोनई के एक मैरिज होम में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते मुख्य वक्ता सोनई मण्डल के प्रभारी श्याम चतुर्वेदी।

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष निर्भय पाण्डे के नेतृत्व में तीन विधानसभा क्षेत्रों के 18 मंडलों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के 11 साल पूरे होने पर गांव-गांव में बैठकें आयोजित की जा रही हैं। मांट विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सोनई स्थित एक मैरिज होम पर बैठक हुई। इसमें मुख्य वक्ता सोनई मण्डल के प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने शुभारंभ किया। कहा कि मोदी के 11वर्ष पूरे होने पर सरकार की उपलब्धियों को विस्तार पर प्रकाश डाला। कहा कि विकसित भारत के 11 वर्ष पूर्ण होने पर विकसित भारत संकल्प सभा में सरकार द्वारा चलाई जा रहीं योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का असर धरातल पर दिख रहा है। अध्यक्षता करते हुए मण्डल अध्यक्ष राजेश चौधरी ने भाजपा सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की। बैठक में ग्राम प्रधान रणवीर सिंह, ओमवीर सिंह, तरुण सैनी, डॉ. गिरप्रसाद, डॉ. रामजीत केरन सिंह रावत, राजेन्द्र चौधरी, सोनू, ममता टीना रत्न सिंह, मोरमुकुट, मदन कुमार, राहुल शर्मा तथा मुरलिया आदि लोग मौजूद थे।

भाजपा के पदाधिकारियों ने बताई मोदी सरकार की उपलब्धियां

केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर भाजपा की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में हुई बैठकें

टोल प्लाजाओं पर वाहन चालकों की हो रही है जेब ढीली

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जरा संभल के चलिए। टोल प्लाजाओं पर वाहन चालकों की जेब हो रहीं है खुले आम ढ़ील। ऐसा ही एक नजारा सामने आया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग के द्वारा क्या गाइड लाइन है उसके बारे में अधिकांश वाहन चालकों को पता नहीं रहता है। निजी वाहन द्वारा मथुरा से लखनऊ जाना लोगों के लिए जेब ढ़ीली करना है। एनएचएआई द्वारा यह भी गाइड लाइन है कि 24 घंटे के अंदर जो भी वाहन चालक यदि वापस आते है तो यानि करीब चालीस प्रतिशत की छूट दी जाती है, लेकिन कुछ टोल प्लाजाओं पर कुछ ऐसा उल्टा ही दिख रहा है। चौकिए नहीं मथुरा से लखनऊ के लिए टोल टैक्स 2425 रूपये वसूला जा रहा है लेकिन कहीं–कहीं टोल प्लाजाओं पर फास्टेग से डबल रूपया कट जाता है तो इधर उधर घूमते रहते है वाहन चालक। ऐसा ही मामला सामने आया है जब एक परिवार मथुरा से लखनऊ के लिए गया था। एक तरफ से टोल टैक्सों पर 1212 रूपये के करीब फास्टेग से रूपये कट गए जब 12 घंटे के भीतर लखनऊ से वापिस लौटे तो फिर से 1224 के करीब फास्टेग से कट गए लेकिन एनएचएआई की तरफ से ऐसी कोई गाइड लाइन नहीं है, जो वाहन चालक 24 घंटे के भीतर वापिस आते हैं तो उनसे 40 प्रतिशत कम करके टोल टैक्स काटा जाता है।

मथुरा से लखनऊ जाने का सफर हो गया है महंगा

क्या 20 या 20 से कम छात्र नामांकन वाले स्कूल होंगे बंद

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अब बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में 20 या 20 से कम छात्र-छात्राओं के नामांकन वाले विद्यालय क्या बंद हो सकते हैं। ऐसे विद्यालयों के शिक्षकों व छात्रों को हटाकर समीप के विद्यालयों से संबंद्ध किए जायेंगे।

यह निर्णय बेसिक शिक्षा के अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में ऑनलाइन हुई बैठक में लिया गया। इस बैठक में महानिदेशक स्कूल शिक्षा, प्रदेश के सभी जिलों व मंडल मंडलायुक्त, जिलाधिकारी एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने सभी ब्लॉकों व नगर क्षेत्र के खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे 20 या 20 से कम छात्रों के नामांकन वाले विद्यालयों की सूची सहित प्रस्ताव कल (16 जून) को उपलब्ध करायें। ताकि ऐसे विद्यालयों के शिक्षक व छात्रों को समीप के विद्यालयों में प्रोविशन मर्जन किया जा सके। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। इस आदेश के आने से प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकाओं में हड़कंप मच गया है।

छात्र व शिक्षकों को समीप के विद्यालयों में किया जाएगा संबद्ध

अपर मुख्य सचिव बेसिक की अध्यक्षता में ऑनलाइन बैठक में लिया निर्णय

पुलिस का चेकिंग अभियान, वाहन चालकों में खलबली

यूनिक समय, कोसीकलां। थाना पुलिस ने रविवार की सायं वाहन चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग अभियान के दौरान दोपहिया वाहनों पर तीन-तीन लोग सवार नजर आए। वहीं वाहन चालक हेलमेट भी नहीं लगाए। नियमों का उल्लंघन करने पर चलानी कार्रवाई की। इंस्पेक्टर अरविंद कुमार निर्वाल ने कस्बा चौकी इंचार्ज दुष्यंत कौशिक के साथ मिलकर शहर के घंटाघर चौराहे पर दोपहिया वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान वाहन चालकों में खलबली मच गयी। पुलिस ने दो पहिया वाहनों के कागजात आदि जांचे गए। बगैर हेलमेट, बगैर कागजात व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। उन्होंनें अभियान के दौरान हेलमेट लगाने के लिए प्रेरित किया, वहीं दो पहिया वाहनों पर तीन सवारी के चलने पर चेतावनी दी। इंस्पेक्टर अरविंद कुमार निर्वाल ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

यज्ञशाला एवं वेद मन्दिर का शिलान्यास

यूनिक समय, कोसीकलां। शेरगढ़ रोड गोपाल बाग स्थित आर्य उपप्रतिनिधि में जिला आम सभा के प्रधान के आचार्यत्व में यज्ञोपरान्त शिलान्यास (भूमि पूजन) किया। मुख्य अतिथि डॉ. अमर सिंह पौनियां थे। अध्यक्षता डॉ. भूयाल नागर ने की। इस मौके पर विपिन बिहारी, स्वामी ओमानन्द, आर्यसमाज छाता के प्रधान धर्मेन्द्र आर्य, आर्य समाज सभा के प्रधान वीरेन्द्र आर्य, मंत्री बृजकिशोर आर्य, रघुनाथ राजावात एडवोकेट, जगदीश बैटरीवाले, कालीचरन बाजना, संयोजक घनश्याम पटेल, मास्टर नबाव सिंह, देशराज आर्य, फालैन इण्टर कॉलेज के प्रबन्धक राजू आर्य, कन्हैया गोयल विवेक उपाध्याय आदि उपस्थित थे।

भीषण गर्मी में इंद्रदेवता से ही आस

बारिश के लिए बच्चे, महिला एवं किसान करने लगे प्रार्थना

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में इस समय भीषण गर्मी का कहर चरम पर है। आसमान से आग बरस रही है और जमीन से लपटें उठ रही हैं। तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब चल रहा है। लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। सबसे ज्यादा परेशान हाल बच्चों और बुजुर्गों का है। बिजली की आंख–मिचौनी ने हालात और भी बिगाड़ दिए हैं। ऐसे में जिले के लोगों ने अब बिजली विभाग के अधिकारियों की उम्मीद छोड़कर इंद्रदेवता की ओर रुख कर लिया है। छोटे-छोटे बच्चे भी अब मंदिरों, घरों में पूजा–अर्चना कर इंद्रदेव को प्रसन्न करने की कोशिशें करने में लग गए है। मोहल्लों में छोटे–छोटे बच्चे टोली बनाकर भगवान श्रीकृष्ण और इंद्रदेव से बारिश की गुहार लगा रहे है। हे इंद्रदेव, अब बरस जाइए... हमें गर्मी से राहत दीजिए। स्कूल खुलने में कुछ दिन ही बचे है। अभी होम वर्क भी नहीं हो पाया है। इस भीषण गर्मी में खेलने का मन ही नहीं करता है। भीषण गर्मी को लेकर अब ग्रामीण भी भगवान इंद्र देव को मना रहे है।

जब बारिश आएगी थोड़ी राहत मिल जाएगी। गर्मी से बेहाल महिलाएं भी पीछे नहीं रहीं। बलदेव निवासी राम कुमार का कहना है कि अब तो भगवान ही हमारी सुनेंगे। बिजली अधिकारियों से उम्मीद करना बेकार है। हमारे पंखे भी बिना बिजली के नहीं चल पा रहे है। इनवर्टर भी सीटी बजाना शुरू हो जाती हैं। बिजली की आपूर्ति ने तो इस बार रुला दिया है।

जब घर से बाहर बैठे तो लू मार देती है। किसान भी भगवान इंद्र देव से प्रार्थना कर रहे है बरसात आ जाए तो फसलों में राहत मिल जाएगी। बिना पानी के फसल सूखती जा रही है। समय से फसलों में पानी नहीं मिल पा रहा है। बिजली की कटौती ने सिंचाई कार्य को भी ठप कर दिया है।

साड़ी फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। इंडस्ट्रियल एरिया साइट ए पन्ना पोखर में आज एक साड़ी फैक्ट्री में लगी आग से इलाके में हड़कंप मच गया। आग में फैक्ट्री में काम करने वाले 15 कर्मचारी फंस गए। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दमकलों ने आग पर काबू किया। आग से लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। इंडस्ट्रियल

एरिया साइट ए पन्ना पोखर इलाके में

आग में घिरे 15 कर्मचारियों को दमकलकर्मियों ने बाहर निकाला

प्रमेश गुप्ता की बृजवासी पॉली पेक नाम से साड़ी फैक्ट्री है। बताया गया कि आज दोपहर को फैक्ट्री में बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। कुछ ही देर मे आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। फैक्ट्री में लगी आग में वहां काम कर रहे 15 कर्मचारी फंस गए। फायर ब्रिगेड को भी फैक्ट्री में लगी आग की सूचनी दी गई। फायर ब्रिगेड की दो गाड़िया आग को बुझाने के लिए मौके पर पहुंच गई। काफी प्रयास के बाद फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने आग पर काबू किया। फैक्ट्री की आग में घिरे कर्मचारियों को फायर ब्रिगेडकर्मियों ने सकुशल बाहर निकाला। फैक्ट्री में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

धर्मगुरु की परीक्षाएं कल से शुरू होंगी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद बोर्ड के निर्देशन में संचालित एक वर्षीय पौरोहित्य कर्मकांड डिप्लोमा एवं व्यवहारिक ज्योतिष डिप्लोमा, की परीक्षाएं 16 जून से प्रारंभ होकर के 23 जून तक चलेंगी। इसकी प्रतिदिन एक प्रश्न पत्र की परीक्षा प्रातः काल 10:00 बजे से दोपहर को1:15 तक होगी। जयंती प्रसाद वैदिक विद्या आश्रम छात्रावास वृंदावन परीक्षा केंद्र व्यवस्थापक आचार्य बनवारी लाल गौड़ एवं प्रधानाचार्य चैतन्य गौड़ ने बताया कि परीक्षा की तैयारी पूर्ण कर ली गई हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक के निर्देशन में सचल दस्ता+निरीक्षण दस्ता+पर्यवेक्षक समिति कक्ष निरीक्षक की गई है। पुलिस प्रशासन के सहयोग से यह परीक्षाएं पारदर्शिता के साथ नकल विहीन होगी। परीक्षाओं में प्रमुख रूप से पांच प्रश्न पत्र रहेंगे। सरकार ने छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने इस बार बैक पेपर की व्यवस्था भी रखी है। किसी कारण वश जिन छात्रों के पेपर पिछली वर्ष प्रथम सेमेस्टर में छूट गए थे उनके बैक पेपर भी इन्हीं परीक्षाओं के बीच में होंगे। जिसकी डेट शीट परिषद बोर्ड द्वारा जारी कर दी गई है। अन्य सभी परीक्षा संबंधी जानकारियां परीक्षा केंद्र श्री जयंती प्रसाद वेदिक विद्याश्रम गोधूलिपुरम संस्कृत छात्रावास वृंदावन परीक्षा केंद्र पर कर सकते हैं।

गोवर्धन व परिक्रमा मार्ग को किया नो व्हीकल जोन

यूनिक समय, गोवर्धन। गिरिराज धाम में पांच–छह जुलाई से प्रारंभ होने वाला ब्रज के प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेला को लेकर उच्च स्तरीय अंतर विभागीय समीक्षा बैठक अपर जिलाधिकारी अमरेश कुमार, पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत की अध्यक्षता में हुई। इसमें मथुरा व डीग जनपद के अधिकारियों ने भाग लिया। गुरु पूर्णिमा मेला में लाखों की संख्या में परिक्रमार्थियों के आने की संभावना है। इस बैठक के माध्यम से प्रशासन ने यातायात, सुरक्षा एवं पार्किंग आदि को लेकर विशेष तैयारियां की गई। पुलिस विभाग ने मेला क्षेत्र में 61 पार्किंग स्थल और 150 बैरियर पॉइंट चिन्हाकित किए हैं। गोवर्धन के समूचे सप्तकोसीय परिक्रमा मार्ग और कस्बे को नो व्हीकल जोन घोषित किया जाएगा। राजस्थान के डीग जनपद में पड़ने वाले परिक्रमा मार्ग (पूंछरी) क्षेत्र के संबंध में डीग के अधिकारियों के साथ चर्चा हुई। इसमें

61 पार्किंग, 150 बैरियर बनेंगे वाहनों के नियंत्रण को

राजस्थान के डीग जनपद के अधिकारियों के साथ हुई मथुरा के अधिकारियों की बैठक

तय किया गया कि जैसी व्यवस्था यूपी के हिस्से वाले क्षेत्र में होंगी। वैसी ही व्यवस्था राजस्थान वाले हिस्से की होगी। दोनों जनपद के अधिकारियों ने मेले को सफल व सुरक्षित बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में एमवीडीए के सचिव अरविंद द्विवेदी, एसडीएम गोवर्धन नीलम श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार सिंह, एसडीएम डीग देवी सिंह सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

वृंदावन में 19 एवं मथुरा में 22 जून को परशुराम शोभायात्रा निकलेगी

अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा की बैठक में पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की बैठक जिला पंचायत सदस्य नवल किशोर शर्मा के आवास पर जिला अध्यक्ष इंजीनियर राजकुमार शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 19 जून को वृन्दावन एवं 22 जून को मथुरा के महोली रोड़ से राधिका बिहार में निकलने वाली भगवान परशुराम शोभायात्रा को सफल बनाने की रणनीति पर विचार विमर्श किया गया। जिला पंचायत सदस्य नवल किशोर शर्मा एवं राजेश पाठक ने शोभायात्रा के प्रचार–प्रसार के संदर्भ में प्रकाश डाला। महोली रोड भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति के अध्यक्ष बलराम शर्मा ने सभी विप्रों से शोभायात्रा में शामिल होने का आह्वान किया। संचालन आशीष चतुर्वेदी ने किया। बैठक में रवि वशिष्ठ, ब्रह्म देव शर्मा, राम प्रकाश शर्मा एडवोकेट, विनोद शर्मा, शांतनु चतुर्वेदी, राजेश शर्मा, मुकेश उपाध्याय आदि ब्राह्मण बन्धु उपस्थित थे।

बीएसए ने 108 शिक्षकों का किया एक दिन का वेतन बहाल

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गत दिवस डाइट पर लगाए गए शिक्षक समाधान दिवस में आई शिकायतों का निस्तारण करना जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने प्रांरभ कर दिया है। पहली कार्रवाई में उन्होंने जनपद के विभिन्न ब्लॉकों के 108 शिक्षकों का एक दिन वेतन बहाल करने का आदेश दिया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जनपद स्तरीय अधिकारियों व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के निरीक्षण के समय देरी से विद्यालय पहुंचने वाले शिक्षक शिक्षिकाओं का वेतन जारी किया गया है। इसके तहत ब्लॉक राया व चौमुंहा के 14– 14, मथुरा के 6, नौहझील के 18, फरह के 10, बलदेव के 23, मांट के 10, गोवर्धन के 3, छाता के आठ, नंदगांव के दो शिक्षक शिक्षिकाएं शामिल थे। ये सभी शिक्षक विगत वर्षों में मिले देरी से पहुंचने वाले थे।

शिक्षा शेरनी का दूध है जो पिएगा वह दहाड़ेगा: एमएल पाल

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मिशन परिवर्तन धनगर समाज के तत्वावधान में शिक्षा है अनमोल रतन पढ़ने का सब करो जतन के दृष्टिगत आज नवादा स्थित एक पैलेस में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जिले की धनगर समाज के विभिन्न क्षेत्रों के मेधावियों को मुख्य अतिथि सहायक श्रमायुक्त एम एल पाल ने पुरस्कृत किया गया।

विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने मेधावी बच्चों का मार्गदर्शन किया। इसमें विशिष्ट अतिथि डॉ. शालिनी बघेल ने नीट एवं मल्टी नेशनल कंपनी के संस्थापक निदेशक अंकित बघेल ने आईआईएम

मिशन परिवर्तन धनगर समाज द्वारा आयोजित किए गए कार्यक्रम में सम्मानित हुए मेधावी छात्र–छात्राएं।

में सफलता के मंत्र बताए। उच्च शिक्षा एवं प्रशासनिक सेवा के लिए प्रेरित करते हुए सहायक श्रमायुक्त एम एल पाल ने कहा कि शिक्षा शेरनी का दूध है जो पिएगा वह दहाड़ेगा। जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश चन्द धनगर ने बताया कि सम्मान से जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। इसलिए मेधावियों का सम्मान

धनगर समाज ने मेधावियों का किया सम्मान

आवश्यक है, यही समाज के अधार स्तंभ हैं। साहित्यकार डॉ. राजेंद्र मिलन एवं शिक्षाविद भूप सिंह ने बच्चों को आशीर्वाद दिया। अध्यक्षता पूर्व प्रधान रामहेत धनगर वे की संचालन डॉ. रमेश चन्द धनगर ने किया। मिशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष छीतरमल धनगर, राधेलाल धनगर, रामप्रसाद धनगर वरिष्ठ प्रबन्धक, चंद्रभान धनगर, मुरारीलाल धनगर, गायत्री, मीरा, सरोज तथा यादराम आदि उपस्थित थे।

फादर्स डे "यूनिक समय" की अनूठी पहल

लोगों ने साझा किए भावनात्मक अनुभव

पापा, आप मेरे हीरो हैं। आपका प्यार, मार्गदर्शन और सहयोग मेरे लिए सब कुछ है। आपने मुझे जिंदगी के अनमोल सबक सिखाए हैं और मुझे वह इंसान बनाया है जो मैं आज हूं। आपका निस्वार्थ प्रेम और धैर्य मुझे हर दिन प्रेरणा देता है। आप सबसे बेहतरीन पिता हैं और मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि आप मेरी जिंदगी में हैं।

आपकी बेटी, आराध्या राठौर, मथुरा

यूनिक समय, मथुरा। पवित्र नगरी मथुरा में इस वर्ष फादर्स डे एक अलग ही अंदाज में मनाया गया। इस अवसर पर स्थानीय समाचार संस्था "यूनिक समय" ने एक भावनात्मक और रचनात्मक पहल की, जिसमें लोगों से आग्रह किया गया कि वे अपने पिता के बारे में अपने विचार, अनुभव और भावनाएं लेख के रूप में साझा करें। इस पहल ने शहर के लोगों को एक ऐसा मंच प्रदान किया, जहां उन्होंने अपने पिता के प्रति प्रेम, कृतज्ञता और सम्मान को शब्दों में पिरोया।

इस विशेष अभियान में "मेरे पापा, मेरा गर्व" विषय के तहत लोगों से उनके अनुभव मांगे गए। देखते ही देखते कई लोगों ने अपने-अपने लेख और संस्मरण भेजने शुरू कर दिए। इनमें न केवल युवा शामिल थे, बल्कि स्कूली छात्र, गृहिणियां, वरिष्ठ नागरिक और प्रोफेशनल्स तक ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस पहल ने यह सिद्ध कर दिया कि पिता की भूमिका हर व्यक्ति के जीवन में कितनी अहम होती है, भले ही वह कभी-कभी शब्दों में व्यक्त न की जाए।

11वीं की छात्रा रिया वर्मा ने अपने पत्र में लिखा, "मेरे पापा मेरे सुपरहीरो हैं। उन्होंने हमेशा मेरी पढ़ाई को प्राथमिकता दी, भले ही उन्हें खुद के शौक छोड़ने पड़े।" एक 65 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक रामकिशोर अवस्थी ने अपने पिता की स्मृतियों को साझा करते हुए लिखा, "अब जब मैं खुद दादा बन चुका हूं, तब अपने पापा की सीख और अनुशासन का असली मोल समझ पा रहा हूं।" यह आयोजन केवल एक दिवस की औपचारिकता न होकर एक भावनात्मक आंदोलन बन गया, जिसने यह संदेश दिया कि पिता भी प्रेम और आदर के वही हकदार हैं, जो हम अक्सर मां के हिस्से में मानते हैं। मथुरा में फादर्स डे की यह अभूतपूर्व पहल एक मिसाल बन गई है, जो आने वाले वर्षों में भी प्रेरणा का स्रोत बनी रह सकती है।

पिता शब्द किसी परिचय का मोहताज नहीं। मेरे पिता भी मेरे लिए सबसे बड़े गुरु, सच्चे साथी एवं मार्गदर्शक हैं। मैं खुशनसीब हूं कि ईश्वर ने पिता के रूप में मुझे एक ऐसा तोहफा दिया है जो हर किसी के नसीब में नहीं होता। मैं पूरा जीवन अपने पिता के आदर्शों पर चलना चाहती हूं और अपने पैरों पर खड़े होकर उनका हर सपना पूरा करना चाहती हूं।

पलक आचार्य, सुरभि आचार्य, मातागली होली गेट, मथुरा

पिता मेरे आदर्श, हृदय में आज भी

मेरे पिताश्री सितंबर 2004 में गोलोकवासी हो गए। पिताश्री आज भी मेरे आदर्श हैं। मैंने पिताश्री से कठिन परिश्रम, कार्य के प्रति निष्ठा, ईमानदारी, विपरीत स्थितियों में विचलित हुए बिना धैर्य रखते हुए कैसे आगे कैसे बढ़ना है सीखा है। मैं पिताश्री को आदर्श मानते हुए उनसे मिली सीख का अनुसरण कर रहा हूं। वह आज भी मेरे हृदय में जीवित हैं।

मुकेश शर्मा (पुत्र), मथुरा।

परी अग्रवाल अपने पिता कपिल अग्रवाल को उपहार देती हुई।

पिता हमेशा अपने बच्चों के लिए अपने जीवन की खुशियाँ न्यौछावर कर देते हैं। चाहे वह उन्हें स्कूल में दाखिला कराना हो या फिर उनकी किसी जरूरत में आर्थिक सहायता देना हो। हमारे जीवन में पिता का योगदान बहुत महत्वपूर्ण है।

आपका पुत्र,
अनुज कुमार जोशी

सेंट्रल मैथोडिस्ट चर्च में फादर्स डे समारोह

पिता का सम्मान समाज की समृद्धि का प्रतीक

सेंट्रल मैथोडिस्ट चर्च में फादर्स डे पर आयोजित आराधना सभा में सम्मानित किए पिता पदाधिकारियों के साथ।

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णापुरी चौराहे के पास स्थित सेंट्रल मैथोडिस्ट चर्च में रविवार को फादर्स डे पर आयोजित आराधना सभा में ईसाई समुदाय के पिताओं को सम्मानित कर उनके योगदान को सराहा गया। कार्यक्रम में आराधना संदेश मिनिस्ट्री के संस्थापक ई. डी. सिंह ने उपस्थित सभी पिताओं को स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। चर्च के लीडर हिमांशु रोबिन सिंह ने बाइबल से प्रेरणादायक संदेश साझा किया। उन्होंने बाइबल के विभिन्न पात्रों- जैसे अब्राहम, याकूब, और यूसुफ के जीवन से पितृत्व के मूल्यों और जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। संचालन सुदीप मैसी ने किया। चर्च के पादरी श्रीपाल ने सभी का आभार जताया। कहा कि पिता परिवार की रीढ़ होते है। उनका सम्मान समाज की समृद्धि का प्रतीक है।

प्रधान प्रतिनिधि ने अपने सहयोगियों से दो भाइयों को पिटवाया

यूनिक समय, मथुरा। थाना छाता के गांव अकबरपुर में गड्ढे को भरवाने की शिकायत प्रधान से करना दो भाइयों को काफी महंगा पड़ा। दोनों को लाठियों से पीट-पीटकर लहू लुहान कर दिया।

गांव अकबरपुर निवासी मुकेश कुमार ने बताया कि उसने 13 जून को गांव में सड़क में होने वाले गड्ढे को भरवाने के लिए प्रधान से शिकायत की थी। इस पर प्रधान प्रतिनिधि ने घर पर आकर बातचीत करने को कहा। मुकेश अपने भाई बिहारी सिंह के साथ प्रधान के घर पहुंच गया। वहां प्रधान प्रतिनिधि और अन्य लोगों ने दोनों भाइयों को लाठी डंडो से बुरी तरह पीट-पीट कर लहू लुहान कर दिया। दोनों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस मामले की शिकायत पीड़ित भाइयों ने मथुरा वृंदावन क्षेत्र के भाजपा विधायक श्रीकांत शर्मा से की है।

लड़की की शिकायत पर पुलिस ने परिजनों को बुलाकर कराई सुलह

यूनिक समय, कोसीकलां। पुलिस अपराध नियंत्रण के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन भी बखूबी कर रही है। उसने एक विवाहिता की पारिवारिक शिकायत को न केवल सुना बल्कि ससुरालिजनों को बुलाकर सुलह भी करा दी। नाराजगी दूर हुई तो सभी मिलकर युवक की खोजबीन में जुट गए हैं। दरअसल हुआ यूं कि दो दिन पहले उड़ीसा के जिला बालेश्वर निवासी ज्योत्सिना दास थाने पहुंची। इंस्पेक्टर अरविंद निर्वाल को उसने बताया कि उसका गांव गिढोह निवासी उमेश कुमार से उसका प्रेम विवाह हुआ है। लेकिन वह अब उससे नाराज हो गया। वह न उसे लेने पहुंचा और न ही उसका फोन रिसीव कर रहा। पुलिस ने विवाद को भांप उसे सुलझाने को तेजी से प्रयास शुरू किए। परिजनों से संपर्क और थाने बुलाया। उमेश के अलावा सभी परिजन वहां पहुंच गए। बताया कि परिवार की मर्जी के खिलाफ ज्योत्सना और उमेश ने दिल्ली में पढ़ाई के दौरान प्रेम विवाह किया है। मामला विवाद की ओर बढ़ा तो पुलिस ने परिवार की काउंसलिंग की। उन्हें समझाया कि अब ज्योत्सना कानूनी रूप से उमेश की पत्नी है। उमेश को उसे किसी भी प्रकार से उसे प्रताड़ित और अन्य किसी भावना से नहीं देखना चाहिए।

पुलिस की दो दिन की काउंसलिंग के बाद गिडोह निवासी उमेश के पिता जगत सिंह ने पुलिस और अपनी पुत्रवधू ज्योत्सना को सबकुछ ठीक हो जाने का भरोसा दिलाया। साथ ही बताया कि उमेश को भी खोज लिया जाएगा और उसे थाने में पेश किया जाएगा। इंस्पेक्टर अरविंद कुमार निर्वाल ने बताया कि परिवार ने भरोसा दिया है। शिकायतकर्ता ज्योत्सना दास भी परिवार के जवाब से संतुष्ट होकर उनके साथ चली गई।

अवैध खनन कर मिट्टी ले जाता डम्पर पकड़ा

यूनिक समय, कोसीकलां। शासन प्रशासन के प्रयासों के बावजूद मिट्टी का अवैध खनन थम नहीं रहा है। शाहपुर चौकी पुलिस ने गांव धानौता के जंगलों से अवैध रूप से खनन करते हुए एक डम्पर को पकड़ा है। हालांकि खनन कर रहे अन्य वाहन जंगल में नहीं मिले। दरअसल यमुना की तलहटी के गांवों में अवैध खनन जोर शोर से चल रहा है। इसकी शिकायत पर शाहपुर चौकी प्रभारी अमर पाल सिंह तोमर ने कार्रवाई करते हुए धानौता के जंगलों में कार्रवाई की।

जहां उन्होंने मिटटी से भरे एक डम्पर को पकड़ लिया। पुलिस उसे चौकी ले आई। उधर मशीन और अन्य वाहनों की तलाश के लिए प्रयास किए लेकिन कोई सफलता नहीं लगी। इंस्पेक्टर अरविंद कुमार निर्वाल ने बताया कि डम्पर को सीज कर दिया गया है।

तीन बाइक चोर बाल अपराधी पकड़े, दो मोटरसाइकिल बरामद

यूनिक समय, मथुरा। रिफाइनरी पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी करने वाले तीन बाल अपराधियों को गिरफ्तार कर चोरी की दो मोटरसाइकिल बरामद की है। थाना प्रभारी अजय वर्मा ने बताया कि उप निरीक्षक जगदीश सिंह, उप निरीक्षक उमंग त्यागी उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह पुलिस फोर्स के साथ चेकिंग कर रहे थे। कांशीराम मोड़ के समीप से पुलिस ने तीन बाल अपराधियों को दो चोरी की बाइकों के साथ अभिरक्षा में लिया है।

टीलों पर बसे पुराने शहर के लोगों की बढ़ी चिंताएं

मकानों में कहीं आ रही हैं दरारें तो कहीं दरक रहे हैं मकान

यूनिक समय, मथुरा। पुराना मथुरा शहर यमुना के टीलों पर बसा हुआ है। टीलों पर बने मकान में दरारें पड़ने और मकान फटने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। टीलों पर रहने वाले लोगों में इस तरह की बढ़ती घटनाओं को लेकर चिंतित होना स्वाभाविक है। पुराना मथुरा शहर कंस किला, हनुमान टीली, गआट, चौबिया पाड़ा, गताश्रम टीला, घीया मंडी, मंडी रामदास कच्ची सड़क जयसिंहपुरा सहित अन्य ऐसे इलाके हैं जो टीलों पर बसे हुए हैं। यमुना के टीलों पर बसे इस पुराने शहर के पुराने मकान में रहने वाले लोग अब टीलों की मिट्टी में होने वाली हलचल के चलते टीलों पर कहीं मकानों में दरारें आ रही है तो कहीं मकान दरक रहे हैं। आज भी शहगंज इलाके मे टीले पर बसे आधा दर्जन से अधिक मकान मिट्टी के खिसकने के कारण दरक गए। दो बच्चियों सहित तीन लोगों की हुई मौत से टीलों पर रहने वाले लोगों में चिंताओं का होना स्वाभाविक है।

मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर योजनाओं की दी जानकारी

यूनिक समय, छाता। कस्बे के ओल्ड जीटी रोड स्थित डाक बंगला पर मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा मंडल छाता द्वारा शनिवार को सभा आयोजित की। मंडल अध्यक्ष सूरजपाल सिंह यदुवंशी ने सरकार द्वारा चलाई गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, फ्री राशन योजना, जन धन योजना, सोलर पैनल आदि योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने भाजपा के लोगों को मोदी सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का संकल्प दिलाया। इस दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष महेश शर्मा, संयोजक आनंद स्वरूप गुप्ता, भूपेंद्र चौधरी, भीम सैन शर्मा, नितिन जादौन, पुष्पेंद्र सिंह, अशोक, दुलीचन्द, केपी सिंह, संदीप आदि मौजूद थे। संचालक कुशल पाल ने किया।

डाक बंगला पर आयोजित सभा में योजनाओं की जानकारी देते भाजपाई।

गर्मी में बार-बार लूज मोशन?

कौन से बैक्टीरिया हैं इसके जिम्मेदार!

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मी का मौसम आते ही लूज मोशन यानी दस्त की समस्या आम हो जाती है, खासकर बच्चों और वयस्कों में। यह परेशानी अगर बार-बार हो रही है तो यह संकेत है कि व्यक्ति लगातार बैक्टीरियल संक्रमण की चपेट में है। गर्मियों में लूज मोशन का प्रमुख कारण दूषित भोजन और पानी होता है, जिससे शरीर में हानिकारक बैक्टीरिया प्रवेश कर जाते हैं। एमएमजी अस्पताल के सीनियर फिजिशियन डॉ. आलोक रंजन बताते हैं कि गर्मी में जल्दी खराब हो जाने वाले बासी भोजन में बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं। कई बार लोग अनजाने में ऐसे भोजन का सेवन कर लेते हैं, जिससे एस्चेरिचिया कोली, साल्मोनेला, शिगेला और कैम्पिलोबैक्टर जेजूनी जैसे बैक्टीरिया शरीर में पहुँचकर आंतों

को प्रभावित करते हैं।

ये बैक्टीरिया सिर्फ बासी खाने से ही नहीं, बल्कि अधपके मांस, पोल्ट्री उत्पाद और खुले में रखे गए खाद्य पदार्थों से भी शरीर में पहुँच सकते हैं। इसके अलावा सड़क किनारे मिलने वाले स्ट्रीट फूड और साफ-सफाई की कमी भी इसके लिए जिम्मेदार होती है। डॉ. रंजन के अनुसार गर्मी में शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी थोड़ी कमजोर हो जाती है, जिससे बैक्टीरिया जल्दी प्रभाव डालते हैं और लूज मोशन की स्थिति गंभीर रूप ले सकती है। इससे शरीर में पानी और जरूरी खनिजों की भारी कमी हो सकती है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि हम अपने खानपान और स्वच्छता को लेकर सतर्क रहें। हमेशा घर का ताजा और स्वच्छ भोजन ही करें, बासी या बाहर का खाना बिल्कुल न खाएं। केवल उबला या आरओ फिल्टर किया गया पानी ही पिएं। खाने से पहले और टॉयलेट के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोना चाहिए। फल और सब्जियों को इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह धोना चाहिए। यदि दस्त के साथ बुखार, उल्टी या पेट में तेज दर्द हो रहा हो तो समय गंवाए बिना डॉक्टर से संपर्क करें। गर्मी में थोड़ी सी लापरवाही गंभीर बीमारी का कारण बन सकती है। सही आदतें और सावधानी अपनाकर लूज मोशन जैसे संक्रमण से आसानी से बचा जा सकता है।

संस्कारों और आत्मबल के शिल्पकार हमारे पिता

यूनिक समय, नई दिल्ली। फादर्स डे हर साल जून के तीसरे रविवार के दिन मनाया जाता है। आइए इस फादर्स डे आपको बच्चों के जीवन में पिता की भूमिका के बारे में बताते हैं।

15 जून यानी आज के दिन को फादर्स डे के तौर पर मनाया जा रहा है। बच्चों के सही पालन पोषण में मां के साथ-साथ पिता भी एक अहम रोल निभाते हैं।

अक्सर मां के बारे में तो बहुत बात की जाती है लेकिन पिता के बारे में उतनी बात नहीं होती। भले ही पिता मां की तरह अपने प्यार को दर्शाना न जानते हों लेकिन फिर भी बच्चों के जीवन में पिता की बेहद जरूरी भूमिका होती है।

बच्चे पिता को जीवन के कई पड़ावों पर हिम्मत न हारते हुए और परिस्थितियों का डटकर सामना करते हुए देखते हैं। पिता बच्चों की पर्सनालिटी पर इतना गहरा प्रभाव डालते हैं कि बच्चे उनकी तरह ही बनना चाहते हैं।

जैसे पिता अपने परिवार और मुसीबत के बीच में दीवार बनकर खड़े हो जाते हैं, बच्चे भी उन्हें देखकर परिस्थितियों से या फिर जीवन में आने वाली अलग-अलग तरह की चुनौतियों से लड़ना सीख जाते हैं।

सुरक्षित महसूस कर पाना : बच्चे जब बड़े होकर दुनिया की सच्चाई से रूबरू होते हैं, तब उन्हें ढेर सारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। धोखेबाज, चालाक और झूठ बोलने वाले लोगों से भरी इस दुनिया में अक्सर बच्चों को असुरक्षित महसूस होता है और ऐसी परिस्थिति में उन्हें जिस शख्स के होने से सुरक्षित महसूस होता है, वो उनके पिता हैं। पिता के होने का मतलब है कि बच्चे के पास प्यार, भरोसे और सुरक्षा का घर मौजूद है।

अनुभव से बहुत कुछ सीख सकते हैं : जीवन भर पिता खून-पसीने की कमाई से अपने बच्चे को खुशी देने की कोशिश करते हैं। इसी जद्दोजहद में पिता के पास अच्छा खासा अनुभव इकट्ठा हो जाता है। जब बच्चा कमाना शुरू करता है, तो वो अपने पिता के अनुभव से बहुत कुछ सीख सकता है और उन गलतियों को करने से बच सकता है जो किसी जमाने में उसके पिता ने की थीं। अपने पिता के अनुभवों से सीखकर बच्चा तेज रफ्तार से सफलता की सीढ़ियों पर चढ़ना शुरू कर सकता है।

सुबह नाश्ते में बनाएं मूंग-पालक का चीला

सेहत और स्वाद का अनोखा मेल

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप नाश्ते में रोज़ाना कुछ नया, हेल्दी और स्वादिष्ट ट्राय करने की सोच रहे हैं, तो मूंग-पालक का चीला आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह चीला न सिर्फ प्रोटीन और आयरन से भरपूर है, बल्कि इसे बनाना भी बेहद आसान है। मूंग दाल में प्रोटीन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, वहीं पालक आयरन और विटामिन का अच्छा स्रोत है।

इन दोनों के मेल से बना यह चीला एक संपूर्ण और संतुलित नाश्ता बन जाता है, जो शरीर को दिनभर ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करता है।

इसके लिए सबसे पहले एक कप बिना छिलके वाली मूंग दाल को 2 से 3 घंटे या फिर रातभर के लिए भिगो दें। दाल जब अच्छी तरह फूल जाए तो उसे पानी से निकालकर अदरक, हरी मिर्च और थोड़े से पानी के साथ ब्लेंडर में दरदरा पीस लें। इसके बाद इस पेस्ट में बारीक कटा हुआ एक कप पालक, आधा चम्मच जीरा, एक चौथाई चम्मच हींग, हल्दी और स्वादानुसार नमक मिलाएं। यदि घोल ज्यादा गाढ़ा लगे तो उसमें थोड़ा पानी और मिलाकर बैटर को डोसे जैसा बना लें। अब नॉन-स्टिक तवे को गरम करें, उस पर हल्का सा घी या तेल लगाएं और एक बड़ा चम्मच बैटर डालकर गोल आकार में फैलाएं। मध्यम आंच पर दोनों ओर से सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेकें।

तैयार चीले को हरी चटनी, टमाटर सॉस या दही के साथ गरमागरम परोसें। यह हेल्दी नाश्ता बच्चों और बड़ों दोनों के लिए उपयुक्त है और वजन घटाने वालों के लिए भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। मूंग-पालक का चीला स्वाद और सेहत का ऐसा संयोजन है जिसे आप अपने नाश्ते में नियमित रूप से शामिल कर सकते हैं।

कम करना चाहते हैं हाई ब्लड प्रेशर का खतरा

यूनिक समय, मथुरा। कम उम्र में भी लोग हाई ब्लड प्रेशर की समस्या की चपेट में आने लगे हैं और ये बात वाकई में चिंता का विषय है। हाई ब्लड प्रेशर की वजह से आपकी हार्ट हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है और आपको दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियां होने का खतरा भी बढ़ सकता है। हाई बीपी की समस्या से बचने के लिए आपको रोजाना कुछ छोटे-छोटे स्टेप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए।

उच्च रक्तचाप की समस्या से बचने के लिए आपको हेल्दी और बैलेंस्ड डाइट प्लान को फॉलो करने की कोशिश करनी चाहिए। पोषक तत्वों से भरपूर फल-सब्जियां खाएं और फास्ट फूड्स-तले और भुने खाने से दूरी बनाएं। इसके अलावा आपको अपने डेली रूटीन में किसी न किसी फिजिकल एक्टिविटी में जरूर इन्वॉल्व होना चाहिए। वॉकिंग, साइकिलिंग या फिर स्विमिंग जैसी किसी भी फिजिकल एक्टिविटी को डेली रूटीन में शामिल करके ब्लड प्रेशर के खतरे को कम किया जा सकता है। अगर आप हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से बचना चाहते हैं, तो आपको स्ट्रेस को मैनेज करना सीखना होगा। योग, मेडिटेशन या फिर डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज की मदद से तनाव पर काफी हद तक काबू पाया जा सकता है। हाई बीपी से बचने के लिए और दिल की सेहत को मजबूत बनाए रखने के लिए, शराब या फिर सिगरेट पीने की आदत को छोड़ देने में ही समझदारी है।

खज्जियार: भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड, प्रकृति और रोमांच का संगम स्थल

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित खज्जियार एक ऐसा सुरम्य पर्यटन स्थल है, जिसे "भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड" कहा जाता है और इसके पीछे ठोस कारण भी है। समुद्र तल से करीब 6,500 फीट की ऊँचाई पर स्थित यह जगह अपनी नैसर्गिक सुंदरता, घने देवदार और चीड़ के जंगलों, हरे-भरे मैदानों और एक सुंदर झील के कारण किसी स्वप्नलोक से कम नहीं लगती। यहाँ का वातावरण इतना शांत, स्वच्छ और ताजगी भरा होता है कि पर्यटक यहाँ पहुंचते ही प्रकृति के और करीब महसूस करने लगते हैं। खज्जियार की सबसे खास बात यह है कि यहाँ एक गोलाकार हरा मैदान है जिसके बीचों-बीच एक छोटी सी झील स्थित है। यह दृश्य इतना मोहक होता है कि पहली नज़र में ही मन मोह लेता है।

1992 में स्विट्ज़रलैंड के राजदूत विल्ली ब्लेज़र जब यहाँ आए तो उन्होंने खज्जियार की खूबसूरती को देखकर इसकी तुलना स्विट्ज़रलैंड से की और इसे "मिनी स्विट्ज़रलैंड" की उपाधि दे दी। उन्होंने यहाँ एक स्मारक पत्थर भी स्थापित कराया जिसमें खज्जियार से स्विट्ज़रलैंड की दूरी अंकित है। तब से यह स्थान अंतरराष्ट्रीय पहचान भी पा चुका है। खज्जियार झील इस क्षेत्र का सबसे प्रमुख आकर्षण है। यह शांत झील और इसके चारों ओर फैला हरा मैदान पिकनिक, फोटोग्राफी और प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेने वालों के लिए आदर्श स्थल है। इसके अलावा यहाँ 12वीं शताब्दी में बना खज्जी नाग मंदिर भी है, जो स्थानीय श्रद्धा और इतिहास से जुड़ा हुआ है। मंदिर की लकड़ी पर की गई नक्काशी और पौराणिक मूर्तियाँ इसे खास बनाती हैं। रोमांच प्रेमियों के लिए खज्जियार में पैराग्लाइडिंग, ज़ोरबिंग, घुड़सवारी और ट्रेकिंग जैसी गतिविधियाँ भी उपलब्ध हैं। वहीं, प्रकृति प्रेमियों के लिए खज्जियार वन्यजीव अभयारण्य एक शांतिपूर्ण जगह है जहाँ विभिन्न पक्षियों और जंगली जानवरों को नजदीक से देखा जा सकता है। यहाँ आने पर आप फोटोग्राफी, ट्रेकिंग, स्थानीय मंदिरों की यात्रा, पिकनिक और परिवार संग सुकून भरे पल बिताने जैसी गतिविधियों का भरपूर आनंद ले सकते हैं। खज्जियार की यात्रा के लिए मार्च से जून का समय हरियाली और सुहावने मौसम के लिए उत्तम है, जबकि दिसंबर से फरवरी बर्फबारी का लुत्फ उठाने वालों के लिए आदर्श होता है। यहाँ पहुँचने के लिए निकटतम शहर डलहौज़ी (22 किमी), पठानकोट रेलवे स्टेशन और गग्गल (कांगड़ा) हवाई अड्डा प्रमुख विकल्प हैं। खज्जियार उन लोगों के लिए एक स्वर्ग समान अनुभव है जो प्रकृति की गोद में कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं। यह स्थल प्राकृतिक सौंदर्य, आध्यात्मिकता और रोमांच का अनोखा संगम प्रस्तुत करता है, जो हर यात्री के मन में हमेशा के लिए एक यादगार छाप छोड़ जाता है।

सुविचार

संघर्ष जितना बड़ा होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी।

कल का पंचांग

तिथि	षष्ठी 03:31-02:46 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	घनिष्ठा 12:59-01:13 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय	5:45 AM	चन्द्रोदय	11:20 PM
सूर्यास्त	7:10 PM	चंद्रास्त	10:59 AM
सूर्य राशि	मिथुन राशि	चंद्र	कुंभ राशि
शुभ मुहूर्त	12:00AM -12:54 PM	ब्रह्म मुहूर्त	04:08-04:56
त्योहार/व्रत	मिथुन संक्रांति	विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	07:25AM–09:06AM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

नर्मदा परिक्रमा शुरू होती है देवोत्थान एकादशी से

दुनिया में एकमात्र नर्मदा नदी की होती है परिक्रमा

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत में हजारों नदियां हैं, लेकिन नर्मदा नदी एकमात्र ऐसी है जिसकी परिक्रमा की जाती है। मध्य प्रदेश के अमरकंटक से निकलने वाली यह नदी धार्मिक आस्था का केंद्र है। हर साल लाखों श्रद्धालु, साधु-संत और पर्यटक इसकी परिक्रमा करते हैं, जो धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पुण्यदायी मानी जाती है।

नर्मदा परिक्रमा की शुरुआत देवउठनी एकादशी से होती है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है और इसका उल्लेख नर्मदा पुराण तथा अन्य धार्मिक ग्रंथों में भी मिलता है। यह माना जाता है कि जो श्रद्धालु नर्मदा की पूरी परिक्रमा करता है, उसे कई जन्मों के पुण्य फल प्राप्त होते हैं।

साधु-संतों के लिए यह परिक्रमा लगभग 3 साल 3 महीने और 13 दिन में पूरी होती है। इस दौरान उन्हें तीन चातुर्मास (चार-चार महीने की वर्षा ऋतु) भी नर्मदा तट पर ही बिताने होते हैं। साधारण श्रद्धालु इसे कुछ महीनों या वर्षभर में भी पूरा करते हैं, लेकिन सभी को परिक्रमा के कुछ नियमों का पालन करना अनिवार्य होता है।

परिक्रमा वहीं समाप्त करनी चाहिए जहां से इसकी शुरुआत हुई हो। हालांकि समापन के समय ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग पर जल चढ़ाना आवश्यक होता है। परिक्रमा के दौरान सूर्योदय से पहले और सूर्यास्त के बाद यात्रा नहीं करनी चाहिए। प्रतिदिन स्नान, पूजन और आरती करना आवश्यक है। श्रद्धालुओं को सात्विक भोजन करना चाहिए तथा मांस-मदिरा और तामसिक आहार से दूर रहना चाहिए। रात्रि विश्राम केवल मंदिर, आश्रम या धर्मशाला में करना चाहिए, किसी रिश्तेदार या परिचित के घर नहीं रुकना चाहिए। यात्रा के दौरान कभी भी पीछे नहीं लौटना चाहिए और नदी को पार नहीं करना चाहिए, केवल समुद्र मिलने पर ही तट परिवर्तन किया जा सकता है।

संतों और वैरागियों के लिए नियम अधिक कठोर होते हैं। वे नंगे पांव चलते हैं, जमीन पर सोते हैं और कई

साधु-संतों को नर्मदा परिक्रमा में 3 साल लगते हैं

परिक्रमा के इन नियमों का पालन जरूरी है

बार नमक तक नहीं खाते। वे किसी से कुछ मांगते नहीं, बल्कि 'आकाश वृत्ति' अपनाते हैं यानी ईश्वर की कृपा पर निर्भर रहते हैं। वे अपने साथ कमंडल रखते हैं, जिससे पानी पीना, स्नान करना और अन्य क्रियाएं संपन्न होती हैं।

नर्मदा परिक्रमा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं है, बल्कि आत्मशुद्धि और साधना का मार्ग भी है। यह शारीरिक और मानसिक तपस्या है, जिसके नियमों का पालन कर व्यक्ति आध्यात्मिक उन्नति की ओर बढ़ता है। यदि आप भी इस पावन यात्रा पर निकलने का विचार कर रहे हैं, तो पूरे श्रद्धा भाव से नियमों का पालन करते हुए यात्रा करें।

अजीब लेकिन असरदार, पीढ़ियों से चला आ रहा टोटका

नजर उतारने का चप्पल वाला टोटका

यूनिक समय, मथुरा। हमारे समाज में बुरी नजर लगना एक आम धारणा रही है। खासकर बच्चों या अचानक बीमार पड़ने वाले लोगों के लिए कई प्रकार के टोटकों का प्रयोग किया जाता रहा है। इनमें से एक अजीब लेकिन पुराना उपाय है चप्पल से नजर उतारना।

हालांकि यह सुनने में अटपटा लगता है, लेकिन ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरी परिवारों तक इस उपाय को आज भी अपनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि जो वस्तुएं जमीन से जुड़ी होती हैं, वे नकारात्मक ऊर्जा को अवशोषित करने की क्षमता रखती हैं। चप्पल, जो दिनभर पैरों और जमीन के संपर्क में रहती है, इसीलिए इस प्रक्रिया में प्रयोग होती है। इस प्रक्रिया में उस व्यक्ति की चप्पल या जूते को लिया जाता है, जिस पर नजर लगी हो। फिर उसे उस व्यक्ति के सिर से लेकर पांव तक 7 बार उल्टी दिशा में (घड़ी की दिशा के विपरीत) घुमाया जाता है। इसके बाद चप्पल को घर की दहलीज पर हल्के से पटका जाता है या झाड़ा जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से बुरी नजर की ऊर्जा बाहर निकल जाती है और दहलीज पर ही रुक जाती है।

शनिवार का दिन शनि देवता को समर्पित होता है, जो राहु और केतु जैसी नकारात्मक शक्तियों से भी जुड़े माने जाते हैं। इसीलिए शनिवार को यह उपाय ज्यादा असरदार माना जाता है, खासकर बच्चों के लिए जिन पर नजर जल्दी लगती है। इस उपाय की कोई वैज्ञानिक पुष्टि नहीं है, लेकिन मनोवैज्ञानिक रूप से यह तरीका लोगों को मानसिक शांति और संतोष देता है। जब किसी को लगता है कि उन्होंने कोई उपाय किया है, तो डर और चिंता कम होती है, और यही कारण है कि ये परंपराएं आज भी जीवित हैं शायद इसी विश्वास से कि 'कुछ तो असर जरूर होगा'।

मोबाइल वॉलपेपर से बिगड़ सकती है किस्मत!

यूनिक समय, मथुरा। आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन सिर्फ बातचीत या इंटरनेट चलाने का साधन नहीं, बल्कि हमारी मानसिकता, आदतों और ऊर्जा पर भी प्रभाव डालता है। खासकर मोबाइल स्क्रीन पर लगे वॉलपेपर भी हमारे भाग्य से जुड़ सकते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, मोबाइल वॉलपेपर एक सूक्ष्म ऊर्जा का स्त्रोत होता है, जो व्यक्ति के विचारों और जीवन दिशा को प्रभावित करता है। वास्तु विशेषज्ञ हिमाचल सिंह बताते हैं कि जैसे घर की दिशा, दरवाज़े और सजावट हमारे जीवन को प्रभावित करती है, वैसे ही

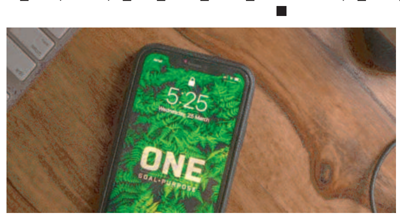

मोबाइल स्क्रीन पर लगाए गए चित्र भी सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। धार्मिक स्थलों जैसे मंदिर, मस्जिद या गुरुद्वारे की तस्वीरें मोबाइल पर लगाना अनुचित माना जाता है, क्योंकि मोबाइल का उपयोग अपवित्र स्थानों पर भी होता है, जिससे अनजाने में इन पवित्र छवियों का अपमान हो सकता है। इसी तरह, देवी-देवताओं की तस्वीरें भी मोबाइल पर लगाने से बचना चाहिए। इसके अलावा, उदासी, क्रोध या टूटे दिल जैसी नकारात्मक भावनाओं से जुड़ी छवियां भी मन को कमजोर करती हैं। काले या गहरे रंगों वाले वॉलपेपर मानसिक थकान और बाधाएं उत्पन्न कर सकते हैं। वास्तु के अनुसार, मोबाइल पर हल्के रंगों, फूलों, प्राकृतिक दृश्यों या प्रेरणात्मक संदेशों वाले वॉलपेपर लगाना शुभ और ऊर्जा बढ़ाने वाला होता है।

विशेष अनुरोध

प्रिय पाठकों आपका अपना यूनिक समय भरपूर कोशिश करता है कि आपके पास दिनभर की चर्चा, परिचर्चा, गतिविधियाँ और नवीनतम खबरें आप तक पहुँचाए, लेकिन फिर भी हमसे त्रुटि रह जाती हैं। आपसे अनुरोध है कि सुधि पाठक होने के नाते आप हमें अवगत कराते रहे, जिससे हम और बेहतर खबरें आपको पढ़ाते रहे। ....धन्यवाद

चाणक्य नीति : ऐसी होती हैं बुद्धिमान स्त्री, जो घर को बना देती है स्वर्ग

यूनिक समय, नई दिल्ली। आचार्य चाणक्य, जो तक्षशिला विश्वविद्यालय के महान विद्वान और मौर्य साम्राज्य के निर्माता माने जाते हैं, उन्होंने 'चाणक्य नीति' में जीवन के हर पहलू को समझाया है। स्त्रियों के गुणों पर भी उन्होंने स्पष्ट रूप से मार्गदर्शन दिया है। उनके अनुसार, केवल रूप या धन ही किसी स्त्री को श्रेष्ठ नहीं बनाते, बल्कि उसका व्यवहार, धैर्य, संस्कार और समझदारी ही उसकी असली पहचान होते हैं। ऐसी स्त्री से विवाह करना किसी पुरुष के लिए सौभाग्य की बात होती है, क्योंकि वह घर को स्वर्ग बना देती है।

चाणक्य कहते हैं कि एक बुद्धिमान स्त्री हमेशा धैर्यवान और समझदार होती है। जीवन में चाहे

कितनी भी कठिनाई आ जाए, वह घबराने की बजाय सोच-समझकर स्थिति को संभालती है। ऐसी स्त्री अपने बड़ों का सम्मान करती है और पारिवारिक मर्यादा में रहकर जीवन जीती है। संस्कारी स्त्री घर की नींव को मजबूत करती है। गृहकार्य में दक्ष होना भी स्त्री की बुद्धिमत्ता का संकेत है। जो स्त्री बजट, भोजन, बच्चों और घर के हर पहलू को व्यवस्थित रूप से संभालती है, वह परिवार की रीढ़ बन जाती है। चाणक्य कहते हैं कि पति के हर सुख-दुख में साथ निभाने वाली स्त्री, उसके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होती है। इसके अलावा, एक बुद्धिमान स्त्री हमेशा कुछ नया सीखने और दूसरों को सिखाने की प्रवृत्ति रखती है। वह बच्चों को अच्छे संस्कार देती है और पूरे परिवार को सच्चाई और ईमानदारी का मार्ग दिखाती है। ऐसी स्त्री अनावश्यक विवादों से बचती है और जहां मौन रहना उचित हो, वहां चुप्पी अपनाकर घर की शांति बनाए रखती है। चाणक्य के अनुसार, जो स्त्री धन और समय का सही उपयोग करती है, वह न केवल आर्थिक रूप से घर को सुदृढ़ बनाती है बल्कि समाज में भी उसका सम्मान बढ़ता है। वह सभी के साथ मधुर व्यवहार करती है और अपने आचरण से परिवार में प्रेम और सद्भाव बनाए रखती है।

इस प्रकार, चाणक्य नीति हमें यह सिखाती है कि बुद्धिमान स्त्री केवल एक पत्नी नहीं होती, बल्कि वह पूरे परिवार की शक्ति, मार्गदर्शक और जीवन की असली संपत्ति होती है।

सम्पादकीय

बच्चे का बजट : परिवार बढ़ाना बनाम जिंदगी चलाना

वर्तमान समय में जब आर्थिक अस्थिरता, महंगाई और प्रतिस्पर्धा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित कर रही है, तब 'बच्चा पालना' केवल भावनात्मक निर्णय नहीं, बल्कि एक गंभीर आर्थिक चुनौती बन चुका है। पहले के समय में संयुक्त परिवार की व्यवस्था, सीमित आवश्यकताएं और कम खर्चीली जीवनशैली ने बच्चों के पालन–पोषण को अपेक्षाकृत सहज बनाया था। किंतु आज के शहरीकरण और एकल परिवारों के दौर में एक बच्चे की परवरिश का बजट, मध्यम वर्गीय परिवार के कुल खर्च का बड़ा हिस्सा बन चुका है।

पवन गौतम
संपादक

शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, मनोरंजन और भविष्य के लिए बचत–इन सभी क्षेत्रों में गुणवत्ता बनाए रखना अब सिर्फ इच्छा नहीं, आवश्यकता बन गई है। एक सर्वेक्षण के अनुसार, शहरी भारत में एक बच्चे को जन्म से 21 वर्ष की उम्र तक पालने में करीब 30 से 50 लाख रुपये तक का खर्च आता है। इसमें स्कूल फीस, कोचिंग, मेडिकल खर्च, कपड़े, गैजेट्स, यात्रा और अन्य आधुनिक आवश्यकताएं शामिल हैं। ऐसे में यह सवाल लाजिमी है कि क्या आज एक औसत भारतीय परिवार के लिए दो या अधिक बच्चों का खर्च वहन करना संभव है? दूसरी ओर, परिवार बढ़ाने का निर्णय केवल आर्थिक गणना पर आधारित नहीं हो सकता। बच्चों से जुड़ा भावनात्मक पक्ष, सामाजिक मूल्यों की निरंतरता और पारिवारिक आनंद भी महत्वपूर्ण होते हैं। लेकिन जब माता–पिता को यह चिंता सताने लगे कि बच्चे को अच्छी शिक्षा मिलेगी या नहीं, उसकी स्वास्थ्य सेवा में समझौता न हो, या भविष्य में रोजगार के लिए संघर्ष न करना पड़े, तब संतान का निर्णय एक जटिल समीकरण बन जाता है।

सरकार की योजनाएं–जैसे कि जननी सुरक्षा योजना, आयुष्मान भारत, और शिक्षा ऋण सहायता–कुछ राहत देती हैं, लेकिन ये समग्र समाधान नहीं हैं। हमें ऐसी व्यापक नीतियों की आवश्यकता है जो मध्यमवर्गीय परिवारों की वास्तविक आर्थिक स्थिति को समझते हुए उन्हें बच्चे पालने के लिए प्रोत्साहन और सुरक्षा दें।

अंततः, आज का युवा दंपति भावनात्मक इच्छाओं और व्यावहारिक वास्तविकताओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश में है। 'परिवार बढ़ाना बनाम जिंदगी चलाना' का यह द्वंद्व आधुनिक भारत की सामाजिक और आर्थिक संरचना में गहराई से गूंजता है। यदि हम चाहते हैं कि अगली पीढ़ी मजबूत और सशक्त हो, तो यह जरूरी है कि राज्य, समाज और निजी क्षेत्र मिलकर एक ऐसा माहौल बनाएं जहाँ बच्चे पालना न सिर्फ एक जिम्मेदारी, बल्कि एक आत्मिक संतोष का कारण भी बने।

नजरिया

इजरायल–ईरान टकराव से युद्ध की दस्तक

कमलेश पांडेय

पश्चिम एशिया की जमीन एक बार फिर लहूलुहान होने की ओर अग्रसर है। इजरायल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर जबरदस्त सैन्य हमला करके न सिर्फ क्षेत्रीय तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है, बल्कि वैश्विक राजनीति को भी एक नई दिशा में धकेल दिया है। इजरायल ने इस सैन्य अभियान को 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' नाम दिया है, जो यह दर्शाता है कि यह केवल एक जवाबी कार्रवाई नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीतिक योजना का हिस्सा है।

पिछले कई वर्षों से इजरायल ईरान के बढ़ते परमाणु कार्यक्रमों को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चेताता रहा है। उसका तर्क रहा है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम केवल ऊर्जा उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी मंशा परमाणु बम निर्माण की है। इजरायल का यह भी मानना है कि यदि ईरान परमाणु शक्ति बनता है तो वह सीधे इजरायल को निशाना बना सकता है। यही कारण है कि उसने अब खुद आगे बढ़कर ईरान के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की है।

इस हमले में ईरान के कई अहम ठिकानों को नष्ट किया गया है। रिपोर्टों के मुताबिक, ईरान के कम से कम छह वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिक मारे गए हैं। इसके साथ ही ईरान की सैन्य ताकत का अहम चेहरा, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के प्रमुख हुसैन सलामी और चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद बाघेरी के मारे जाने की पुष्टि हुई है। इन घटनाओं ने ईरान के भीतर सत्ता संतुलन और सैन्य नियंत्रण को भी झकझोर दिया है।

इस हमले की वैश्विक प्रतिक्रिया भी तीव्र रही। अमेरिका ने तुरंत स्पष्ट किया कि वह इस कार्रवाई में शामिल नहीं है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने ईरान को यह चेतावनी भी दी कि यदि उसने अमेरिकी हितों को निशाना बनाया तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इससे यह संदेश जरूर गया है कि अमेरिका इस टकराव को पूर्ण युद्ध में तब्दील नहीं होने देना चाहता, लेकिन वह इजरायल की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है।

हमले के तुरंत बाद तेल की कीमतों में भारी उछाल आया। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता देखी गई। कई शेयर बाजार तेजी से ऊपर गए, जबकि कई गहरे लाल निशान में बंद हुए। यह वैश्विक बाजार की उस संवेदनशीलता को दर्शाता है जो पश्चिम एशिया की किसी भी बड़ी घटना से तुरंत प्रभावित हो जाती है। होरमुज जल डमरू मध्य, जहां से दुनिया का लगभग 21% तेल गुजरता है, वह अब युद्ध की सीधी रेखा पर आ गया है। यदि ईरान यहां कोई नाकेबंदी करता है तो न केवल ऊर्जा संकट गहराएगा, बल्कि वैश्विक मंदी की आहट और तेज हो सकती है।

इस पूरे घटनाक्रम में इजरायल की भूमिका एक आक्रामक लेकिन रणनीतिक राष्ट्र के रूप में सामने आई है। इतिहास बताता है कि इजरायल ने 1981 में इराक के ओसिरक परमाणु रिएक्टर पर और 2007 में सीरिया के अल–किबर ठिकाने पर हवाई हमले किए थे।

इजरायल का यह स्पष्ट दृष्टिकोण रहा है कि वह अपने विरोधियों को परमाणु हथियार संपन्न नहीं बनने देगा, चाहे इसके लिए उसे अकेले ही क्यों न खड़ा होना पड़े। ऑपरेशन राइजिंग लॉयन उसी नीति का विस्तार है।

ईरान अब किस प्रकार की जवाबी कार्रवाई करेगा, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं। कुछ रणनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि ईरान सीमित जवाब देगा ताकि पूरी तरह युद्ध में न फंसे। लेकिन कुछ का मानना है कि ईरान सीधे इजरायल, अमेरिका के दूतावासों और खाड़ी के समुद्री मार्गों को निशाना बना सकता है। ऐसे में युद्ध की आग सिर्फ इजरायल और ईरान तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सऊदी अरब, इराक, सीरिया, लेबनान, तुर्किये और यहां तक कि पाकिस्तान जैसे देशों को भी अपने घेरे में ले सकती है।

वर्तमान संकट ने मुस्लिम देशों को भी दो धड़ों में बांट दिया है। डब्ल्यू के लगभग 56 मुस्लिम देशों में मतभेद हैं। जो देश अमेरिका समर्थक हैं, जैसे कि सऊदी अरब, वअए, मिस्र – वे चुप्पी साधे हुए हैं। वहीं, रूस–चीन–उत्तर कोरिया समर्थक मुस्लिम देश जैसे कि ईरान, सीरिया, यमन के हूती गुट, तुर्किये और पाकिस्तान खुलकर इजरायल के खिलाफ आ सकते हैं। इससे इस्लामिक जगत के भीतर एक आंतरिक संघर्ष की आशंका भी बढ़ गई है।

भारत, जिसने ऐतिहासिक रूप से पश्चिम एशिया के संकटों में संतुलन बनाए रखा है, इस बार भी तटस्थ है। भारत के लिए यह संकट कई स्तरों पर चुनौतीपूर्ण है। एक ओर भारत ईरान से तेल आयात करता है, वहीं इजरायल उसका घनिष्ठ रक्षा सहयोगी है। भारत के लाखों नागरिक खाड़ी देशों में कार्यरत हैं। किसी भी बड़े संघर्ष से प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और भू–राजनीतिक समीकरणों पर प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए भारत की रणनीति "संतुलित तटस्थता" की रही है – न किसी का खुला समर्थन और न विरोध।

इस पूरे घटनाक्रम में अमेरिका की भूमिका विशेष ध्यान देने योग्य है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अध्यक्षता में अमेरिका ने एक आपात बैठक बुलाई और घटनाक्रम पर लगातार नजर रखी। यद्यपि अमेरिका युद्ध में शामिल नहीं हुआ है, परंतु उसकी 'रणनीतिक दूरी' की नीति भी विश्लेषकों के लिए एक पहेली बनी हुई है। कुछ मानते हैं कि यह इजरायल को "छूट" देने की रणनीति है, ताकि वह वह काम करे जो अमेरिका खुलकर नहीं कर सकता। वहीं कुछ इसे अमेरिका की अंदरूनी राजनीति और चुनावी गणित से भी जोड़ते हैं।

एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इजरायल की यह कार्रवाई महज़ सुरक्षा नीति का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को बदलने की महत्वाकांक्षा का भी परिचायक है। इजरायल जानता है कि ईरान यदि परमाणु शक्ति बनता है तो उसकी क्षेत्रीय वर्चस्व की महत्वाकांक्षा को खतरा उत्पन्न होगा। यही कारण है कि वह ईरान की "खुमैनी सरकार" को अस्थिर करने की योजना पर भी काम कर रहा है।

कुछ विशेषज्ञ यह मानते हैं कि इजरायल अकेले दम पर ईरान के सभी परमाणु ठिकानों को पूरी तरह नष्ट नहीं कर सकता, विशेषकर वे जो पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित हैं। ऐसे में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि अमेरिका या यूरोप के नाटो देश इस अभियान को अप्रत्यक्ष समर्थन दे रहे हैं। साथ ही इस बात की भी संभावना है कि अगली कार्रवाइयों में अमेरिका प्रत्यक्ष रूप से शामिल हो सकता है, यदि ईरान ने अमेरिकी हितों को निशाना बनाया।

इसके अलावा इजरायल के हमले के बाद वैश्विक नागरिक उड्डयन पर भी असर पड़ा है। ईरान और इराक ने अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं। कई उड़ानें रद्द हो गई हैं और कुछ को वैकल्पिक मार्गों पर मोड़ना पड़ा है। इससे वैश्विक व्यापार और परिवहन व्यवस्था पर भी असर पड़ा है।

इस पूरे संघर्ष में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह घटना तीसरे विश्वयुद्ध का ट्रिगर बन सकती है? वर्तमान वैश्विक हालात को देखते हुए यह संभावना नकारा नहीं जा सकता। यदि चीन, रूस और अमेरिका जैसे महाशक्तियाँ इस टकराव में प्रत्यक्ष रूप से उलझती हैं, तो यह टकराव वैश्विक युद्ध में तब्दील हो सकता है।

दूसरी ओर, यदि सभी देश कूटनीतिक उपायों से इस टकराव को सीमित करने की कोशिश करते हैं, तो यह एक बड़ा संकट टल सकता है। लेकिन इसके लिए आवश्यक है कि संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ और अन्य क्षेत्रीय संगठन सक्रिय भूमिका निभाएं। अभी तक संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया बेहद सीमित रही है, जो इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर्याप्त मानी जा सकती है।

इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि जब भी पश्चिम एशिया में युद्ध भड़का है, उसने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है – चाहे वह 1973 का अरब–इस्त्राइल युद्ध हो या 1991 का खाड़ी युद्ध।

हर बार इसका असर तेल, व्यापार, प्रवास और कूटनीति पर पड़ा है। इसलिए यह मान लेना गलत नहीं होगा कि इजरायल और ईरान के बीच यह टकराव सिर्फ दो देशों की जंग नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक परीक्षा की घड़ी है।

इस समय वैश्विक नेतृत्व को परिपक्वता, संयम और सक्रिय कूटनीति की आवश्यकता है। यदि समय रहते संतुलन नहीं बनाया गया, तो यह टकराव अगली सदी के सबसे भयावह युद्ध में बदल सकता है।

विचार विण्डो

धनवानों की संख्या बढ़ी,गरीब हुए कम

प्रहलाद सबनानी

भारत में आर्थिक विकास की दो परस्पर विरोधी तस्वीरें सामने आ रही हैं–एक ओर गरीबी तेजी से घट रही है, तो दूसरी ओर संपन्न लोगों की संख्या और उनकी संपत्ति में अभूतपूर्व वृद्धि हो रही है। यह विरोधाभास विचारणीय है कि क्या यह विकास सभी को साथ लेकर चल रहा है या केवल धनी वर्ग तक ही सीमित है। भारत में जिस व्यक्ति की शुद्ध संपत्ति पाँच करोड़ रुपये या उससे अधिक होती है, उसे उच्च निवल मूल्य वाला व्यक्ति कहा जाता है। वर्ष 2024 में भारत में ऐसे व्यक्तियों की संपत्ति में औसतन 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि विश्व स्तर पर यह वृद्धि केवल 2.6 प्रतिशत रही। यही नहीं, भारत में करोड़पति व्यक्तियों की संख्या बढ़कर 3 लाख 78 हजार 810 हो गई है, जिनकी कुल संपत्ति 1.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्थात लगभग 129 लाख करोड़ रुपये हो गई है। भारत में 4,290 अति उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्ति निवास कर रहे हैं, जिनकी शुद्ध संपत्ति तीन करोड़ अमेरिकी डॉलर या उससे अधिक है। इनकी कुल संपत्ति 53 हजार 477 करोड़ अमेरिकी डॉलर आँकी गई है। ये आँकड़े भारत की आर्थिक प्रगति का संकेत तो देते हैं, पर साथ ही एक नई चुनौती को भी उजागर करते हैं–आर्थिक असमानता का विस्तार।

जहाँ भारत में संपन्न लोगों की संख्या में वृद्धि देखी गई, वहीं यूरोप में इनकी संख्या में गिरावट आई है। उदाहरण के लिए, ब्रिटेन में 14 हजार, फ्रांस में 21 हजार और जर्मनी में 41 हजार उच्च निवल मूल्य व्यक्तियों की संख्या घटी है। एशिया–प्रशांत क्षेत्र में यह संख्या 1.7 प्रतिशत बढ़ी, जबकि लैटिन अमेरिका में 8.5 प्रतिशत और पश्चिम एशिया में 2.1 प्रतिशत की गिरावट आई। इससे संकेत मिलता है कि वैश्विक आर्थिक शक्ति का केंद्र अब पश्चिम से पूर्व की ओर स्थानांतरित हो रहा है, और भारत इसमें अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

दूसरी ओर, हाल ही में विश्व बैंक द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अत्यधिक गरीबी में जीवन व्यतीत करने वाले नागरिकों की संख्या में ऐतिहासिक कमी आई है। वर्ष 2011–12 में जहाँ यह संख्या कुल जनसंख्या का 27.1 प्रतिशत थी, वहीं वर्ष 2022–23 में घटकर 5.3 प्रतिशत रह गई है। इसका तात्पर्य यह है कि लगभग 27 करोड़ नागरिकों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया है। बहु–आयामी गरीबी सूचकांक भी वर्ष 2005–06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2022–23 में 15.5 प्रतिशत रह गया है। यह उपलब्धि भारत के लिए अत्यंत सराहनीय है। विशेष बात यह रही कि गरीबी उन्मूलन के प्रयासों में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लगभग समान सफलता प्राप्त हुई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी दर 18.4 प्रतिशत से घटकर 2.8 प्रतिशत रह गई है, वहीं शहरी क्षेत्रों में यह दर 10.7 प्रतिशत से घटकर केवल 1.1 प्रतिशत रह गई है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के आर्थिक व्यवहार में जो अंतर पहले 7.7 प्रतिशत था, वह अब केवल 1.7 प्रतिशत रह गया है। इस उपलब्धि के पीछे सरकारी योजनाओं की व्यापक पहुँच, नए रोजगार अवसरों का निर्माण और महिलाओं की सहभागिता में वृद्धि जैसे कारणों को प्रमुख माना जा सकता है। विशेषकर कृषि क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुले हैं। साथ ही, वित्त वर्ष 2024–25 की पहली तिमाही में शहरी बेरोजगारी दर घटकर 6.6 प्रतिशत पर आ गई है, जो वर्ष 2017–18 के बाद से सबसे कम है।

गरीबी उन्मूलन में केंद्र और राज्य सरकारों ने मिलकर काम किया है। विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना, जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, मुद्रा योजना, किसान सम्मान निधि योजना, आयुष्मान भारत योजना तथा गरीब अन्न कल्याण योजना जैसी योजनाओं ने देश के निर्धन वर्ग को आर्थिक सहायता प्रदान की है। इन योजनाओं के माध्यम से आवास, स्वास्थ्य, बैंकिंग, पोषण और स्वरोजगार जैसी आवश्यकताओं को पूरा किया गया है।

इसके अतिरिक्त केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, मेक इन इंडिया अभियान, जन औषधि केंद्र, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल खरीद, मखाना बोर्ड का गठन, दालों में आत्मनिर्भरता के लिए विशेष अभियान, ग्राम समृद्धि योजनाएं, प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना, ग्रामीण बिजली आपूर्ति, सस्ती खाद उपलब्धता, उड़ान योजना जैसे प्रयासों ने बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में योगदान दिया है। इन सबके परिणामस्वरूप करोड़ों नए रोजगार अवसर पैदा हुए हैं।

इन सभी योजनाओं को सुचारु रूप से क्रियान्वित करने हेतु सरकार को जो वित्तीय संसाधन चाहिए थे, उन्हें कर प्रणाली में सुधार तथा अनुशासन के माध्यम से जुटाया गया। वस्तु एवं सेवा कर, आयकर और निगम कर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इससे एक ओर जहाँ वित्तीय घाटा नियंत्रित हुआ है, वहीं दूसरी ओर पूंजीगत व्यय में भी वृद्धि संभव हो सकी है। साथ ही केंद्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों की कार्यप्रणाली में सुधार लाया गया है। जो उपक्रम पूर्व में घाटे में चल रहे थे, वे अब लाभ कमाने लगे हैं। वित्तीय वर्ष 2024–25 में इन उपक्रमों ने पाँच लाख करोड़ रुपये से अधिक लाभ अर्जित किया है।

इस प्रकार, भारत में जहाँ एक ओर अत्यधिक गरीबी में भारी कमी देखी गई है, वहीं दूसरी ओर धनी वर्ग की संपत्ति में तेज़ी से वृद्धि हुई है। यह ज़रूरी है कि इस समृद्धि का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुँचे, अन्यथा यह असमानता को और बढ़ावा दे सकती है। भारत की आर्थिक शक्ति निस्संदेह बढ़ रही है, किंतु यह ताकत तभी सार्थक होगी जब यह सबके लिए समान अवसर और जीवन गुणवत्ता में सुधार का माध्यम बने। तभी हम एक समावेशी और आत्मनिर्भर भारत की कल्पना को साकार कर

प्रैक्टिस मैच में ठोका शानदार शतक

सरफराज खान को टेस्ट टीम में मिल सकती है जगह!

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत की ए टीम शुभमन गिल की कप्तानी वाली मुख्य टीम के साथ प्रैक्टिस मैच खेल रही है। दूसरे दिन इंडिया के लिए खेलते हुए सरफ़राज़ खान ने शानदार शतक जड़ा, इससे पहले भी उन्होंने इंग्लैंड में शानदार पारी खेली थी। हालांकि वह इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं है, लेकिन क्या अब उनकी एंट्री हो सकती है? भारत और भारत ए टीम के बीच इंट्रा-स्काड प्रैक्टिस मैच केन्टी काउंटी ग्राउंड पर खेला जा रहा है।

सरफराज खान ने जहां शतक जड़ा तो वहीं जसप्रीत बुमराह को एक भी विकेट नहीं मिला, मोहम्मद सिराज को 2 विकेट मिले लेकिन उन्होंने काफी रन लुटाए। सरफराज खान को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट स्काड में नहीं चुना गया, लेकिन वो इंडिया ए टीम के साथ इंग्लैंड पहुंचे।

उन्होंने पहले इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 92 रनों की कमाल पारी खेली थी, अब उन्होंने प्रैक्टिस मैच में शुभमन गिल एंड टीम के खिलाफ भी शतक ठोका है।

अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन से उन्होंने सिलेक्टर्स को बताया है कि वो इस दौरे के लिए भी तैयार हैं।

जसप्रीत बुमराह प्रैक्टिस मैच के दूसरे दिन भी कोई विकेट नहीं ले सके। उन्होंने 5 की इकॉनमी से रन दिए। सिराज को 2 विकेट मिले, लेकिन उनका इकॉनमी 7 का रहा। प्रसिद्ध कृष्णा को 2 और नितीश कुमार रेड्डी को 1 विकेट मिला। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंडिया ए टीम का स्कोर 266/6 था। साईं सुदर्शन ने 38 रन और ईशान किशन ने 45 रनों की पारी खेली। ऋतुराज गायकवाड़ शून्य पर आउट हुए। हां, टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने इस बारे में बड़ी बात कही थी। उन्होंने बताया था कि जो खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करता है तो उन्हें बीच दौरे में भी बुलाया जा सकता है। यही वजह है कि सरफराज हर मौके का फायदा उठाना चाह रहे हैं, ताकि अगर किसी कारण कोई प्लेयर बाहर होता है तो उन्हें मुख्य टीम में जगह मिल सके।

इंडिया बनाम इंडिया ए प्रैक्टिस मैच का लाइव प्रसारण या लाइव स्ट्रीमिंग नहीं हो रही है। भारत बनाम इंग्लैंड पहला टेस्ट 20 जून से खेला जाएगा। उस मैच का लाइव प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा और लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप पर होगी।

टी-20 में पोलार्ड ने दिखाया जलवा

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका में खेले जा रहे मेजर लीग क्रिकेट 2025 में वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर कायरन पोलार्ड ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वह अब टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस मामले में भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। एमएलसी 2025 में कायरन पोलार्ड टकन्यूयॉर्क के लिए खेल रहे हैं। इस सीजन उनकी टीम का पहला मैच टेक्सास सुपर किंग्स से हुआ। इस मैच में पोलार्ड ने 16 गेंदों में 32 रन बनाए। इस पारी के दौरान उन्होंने टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। टी-20 क्रिकेट में पोलार्ड ने अब तक 696 मैचों में 13569 रन बनाए हैं। वहीं विराट के नाम टी-20 क्रिकेट में 13543 रन दर्ज हैं।

टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की बात करें तो वहां क्रिस गेल का नाम टॉप पर है। उन्होंने 463 मैचों में 14562 रन बनाए हैं। दूसरे नंबर पर इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज एलेक्स हेल्स हैं, उन्होंने 13704 रन बनाए हैं। 13571 रन के साथ तीसरे नंबर पर शोएब मलिक का नाम है। चौथे और पांचवें नंबर पर क्रमशः पोलार्ड और विराट कोहली का नाम है।

टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज- क्रिस गेल- 14562 रन (463 मैच), एलेक्स हेल्स- 13704 रन (497 मैच), शोएब मलिक- 13571 रन (557 मैच), कायरन पोलार्ड- 13569 रन (696 मैच), विराट कोहली- 13543 रन (414 मैच)

कायरन पोलार्ड ने दुनियाभर में जितने भी टी-20 लीग खेले जाते हैं वह उनमें खेलते हुए दिखते हैं। वहीं विराट ने टी-20 इंटरनेशनल से पहले ही संन्यास ले लिया है। वह अब टी-20 फॉर्मेट के नाम पर सिर्फ आईपीएल में खेलते हैं। अगर पोलार्ड अगले मैच में सिर्फ तीन रन बना लेते हैं तो वह टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में शोएब मलिक से आगे निकल जाएंगे।

इंटरनेशनल फादर्स डे

बॉलीवुड सितारों ने किया अपने पिता को याद, बचपन की तस्वीरें शेयर कर दी बधाई

यूनिक समय, नई। अंतर्राष्ट्रीय फादर्स डे हर साल जून 2025 के तीसरे रविवार को मनाया जाता है। इस साल 15 जून 2025 को इस खास दिन को मनाया जा रहा है। मशहूर फिल्मी हस्तियों ने ऑनलाइन थ्रो बैक तस्वीरें शेयर करके फादर्स डे मनाया। करण जौहर : फिल्म निर्माता करण जौहर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने पिता यश जौहर के साथ बैठे हुए अपनी एक पुरानी तस्वीर शेयर की, जो खुद भी एक फिल्म निर्माता थे। पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'उन्होंने आत्मा के साथ और आत्मा के लिए फिल्में बनाईं और उन्होंने जीवन को और भी अधिक जिया। उन्होंने मुझे सिखाया कि अच्छी कहानी कहने की शुरुआत आपसे होती है और आपके अच्छे दिल से। मुझे गहराई से महसूस करने की हिम्मत देने के लिए धन्यवाद। मुझे इन भावनाओं को सबसे बड़ी स्क्रीन पर दिखाने की हिम्मत देने के लिए धन्यवाद। हैप्पी फादर्स डे पापा, शुक्रिया...आपके लिए।' हालांकि, ऐ दिल है मुश्किल के निर्देशक खुद यश और रूही नाम के दो बच्चों के पिता हैं। जिनका स्वागत उन्होंने फरवरी 2017 में सरोगेसी के ज़रिए किया था और उन्होंने एक तस्वीर के साथ एक भावुक नोट साझा किया। 'कुछ निर्णय आवेगपूर्ण होते हैं, कुछ निर्णय रणनीतिबद्ध होते हैं और कुछ सिर्फ आशीर्वाद के साथ लिए जाते हैं। एकल अभिभावक बनने का मेरा निर्णय भावनात्मक रूप से सबसे संतोषजनक निर्णय रहा है जो मैंने कभी लिया हो सकता था। ब्रह्मांड के लिए मेरी हर प्रार्थना का उत्तर।' 53 वर्षीय निर्देशक ने आगे कहा, 'मुझे किताबें पढ़ने, पॉडकास्ट सुनने और मदद और मार्गदर्शन के लिए अन्य माता-पिता से बात करने के लिए कहा गया था और जबकि मैं उदार सलाह के सभी अच्छे इरादों की वास्तव में सराहना करता हूं, मुझे लगता है कि एक माता-पिता की प्रत्येक यात्रा वास्तव में अनूठी है और इसे आपकी व्यक्तिगत प्रवृत्ति से निपटने की आवश्यकता है। पेरेंटिंग के लिए कोई नियम नहीं हैं, बस सहज ज्ञान है जो मुझे हर दिन मार्गदर्शन करते हैं। मुझे पता है कि मैं लड़खड़ाऊंगा और गिरूंगा, लेकिन भरपूर प्यार हमेशा मुझे अंततः उठने के लिए प्रेरित करता है। आज मैं खुद का जश्न मनाता हूं। अपने आशीर्वाद रूही और यश की उपस्थिति के साथ अपना आधा अस्तित्व पूरा करने के लिए। उन्होंने एक गहरे शून्य को भर दिया और मेरी आभा और दिल में प्यार के लिए कुछ और जगह बनाई।'

सोहा अली खानः छोरी 2 की अभिनेत्री सोहा अली खान ने लिखा, 'जिन पिताओं को हम याद करते हैं और जिन्हें हम संभाल कर रखते हैं - हम उनसे प्यार करते हैं

सुनील शेट्टी : बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सुनील शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने पिता के साथ बचपन की तस्वीर के साथ एक छोटा सा नोट लिखा। उन्होंने लिखा, 'कोई बड़ी पोस्ट नहीं। कोई दिखावटी शब्द नहीं। बस आभार से भरा दिल और एक शांत धन्यवाद, उस प्यार के लिए जिसने कभी बदले में कुछ नहीं मांगा। मेरे पहले हीरो, मेरी खामोश ताकत, मेरा हमेशा का घर होने के लिए।

विवेक ओबेरॉय : अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया और लिखा, 'मेरे अविश्वसनीय पिता को, हैप्पी फादर्स डे! आप मेरी सबसे बड़ी फीचर फिल्म लाइफ के निर्माता हैं, जो हर फ्रेम को रोशन करती है। बचपन के सपनों की शुरुआती स्क्रिप्ट से लेकर व्यवसाय बनाने की गतिशील दैनिक दिनचर्या तक, आपका मार्गदर्शन एकदम सही रचना, दोषरहित दृष्टिकोण रहा है। मुझे यह दिखाने के लिए धन्यवाद कि मंच पर और उद्यमिता की चुनौतीपूर्ण, रोमांचकारी दुनिया में वास्तव में कैसे प्रदर्शन किया जाता है।'

1913 से स्वर्ण युग तक: बॉलीवुड की शान और सामाजिक कहानियों का सफर

यूनिक समय, नई। हिंदी सिनेमा, जिसे बॉलीवुड के रूप में जाना जाता है। पहले इसे बॉम्बे सिनेमा के रूप में जाना जाता था। मुंबई में स्थित भारतीय हिंदी भाषा का फिल्म उद्योग है।

फिल्म उद्योग दक्षिण भारत के सिनेमा और अन्य भारतीय फिल्म उद्योगों के साथ-साथ निर्मित फीचर फिल्मों की संख्या के हिसाब से दुनिया के सबसे बड़े भारतीय सिनेमा का हिस्सा है।

दादा साहब फाल्के मूक फिल्म राजा हरिश्चंद्र (1913) भारत में बनी पहली फीचर फिल्म है। पहली भारतीय ध्वनि फिल्म, अर्देशिर ईरानी की आलम आरा (1931), व्यावसायिक रूप से सफल रही। 1930 के दशक तक, फिल्म इंडस्ट्री में प्रति वर्ष 200 से अधिक फिल्मों का निर्माण हो रहा था।

भारत की स्वतंत्रता के बाद, 1940 के दशक के अंत से 1960 के दशक की शुरुआत तक को फिल्म इतिहासकारों ने हिंदी सिनेमा के लिए स्वर्ण युग कहा है इस दौरान समीक्षकों द्वारा प्रशंसित कुछ सबसे प्रशंसित हिंदी फिल्मों का निर्माण किया गया। जिसमें प्यासा (1957), कागज के फूल (1959), आवारा (1951), श्री 420 (1955), आन (1952) शामिल हैं।

इन फिल्मों ने सामाजिक विषयों की खोज की। हिंदी सिनेमा का सबसे बड़ा प्रभाव भारत की राष्ट्रीय पहचान पर रहा है, जहां यह "भारतीय कहानी" का हिस्सा बन गया है।

जब आमिर भी फीके पड़े: 5 ऐसी फ्लॉप फिल्में जिन्हें दर्शकों ने कम सराहा

यूनिक समय, नई। दिल्ली बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान को फिल्म इंडस्ट्री में काम करते हुए 4 साल से ज्यादा का वक्त हो चुका है। उन्होंने 90 के दशक में रोमांटिक फिल्में की हैं और उनकी फिल्मों को काफी पसंद भी किया गया। इसके बाद वे आइडिएशन और कॉन्सेप्ट बेस्ड फिल्में करने लगे और उनकी सफलता बढ़ती ही चली गई। ट्रेंड के साथ चलते हुए उन्होंने जरूरी विषयों पर फिल्में बनाईं जिन्हें लोगों ने हमेशा पसंद किया। उन्हें इसके लिए मिस्टर परफेक्शनिस्ट का भी टैग मिला। लेकिन परफेक्शन की भी कुछ लिमिटेशन्स होती हैं। पिछले कुछ समय से खुद मिस्टर परफेक्शनिस्ट की फिल्में भी नहीं चल पा रही हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि आमिर खान के अब तक के करियर की 5 सबसे कम कमाई करने वाली फिल्में कौन सी हैं।

अंदाज अपना अपना (1994) 130 करोड़ - ये फिल्म जब सिनेमाघरों में आई थी तो लोगों की ज्यादा रुचि इस फिल्म में नजर नहीं आई थी। तभी तो फिल्म सिर्फ 130 करोड़ रुपए का कलेक्शन ही कर सकी थी। फिल्म में पहली दफा आमिर खान और सलमान खान की जोड़ी नजर आई थी। फिल्म को हालांकि बाद में बहुत पसंद किया गया और आज भी इस फिल्म को कल्ट सिनेमा माना जाता है।

बाजी (1995) 109 करोड़ - इसी के अगले साल आई फिल्म बाजी साल 1995 में रिलीज हुई थी और 109 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर पाने में सफल रही थी। फिल्म में आमिर खान के अपोजिट ममता कुलकर्णी नजर आई थीं। फिल्म औसत रही थी।

अकेले हम अकेले तुम (1995) 107 करोड़ : इस फिल्म में आमिर खान के अपोजिट मनीषा कोइराला नजर आई थीं। फिल्म के गाने वैसे तो बहुत अच्छे रहे थे लेकिन फिल्म को उस दौरान बहुत ज्यादा तवज्जो नहीं दी गई थी। ये एक रोमांटिक-ड्रामा फिल्म थी।

आतंक ही आतंक (1995) 155 करोड़ - आज से 30 साल पहले आमिर खान इसी फिल्म से आतंक मचाने आए थे लेकिन सफल नहीं रह सके थे। इस फिल्म के लीड हीरो रजनीकांत थे। वहीं फिल्म में जूही चावला भी अहम रोल में थीं। लेकिन साउथ और बॉलीवुड की इस जोड़ी को पसंद नहीं किया गया था।

1947 अर्थ (1999) 180 करोड़ - आमिर खान की इस फिल्म के गाने आज भी सुने जाते हैं। फिल्म का निर्देशन दीपा मेहता ने किया था और इस फिल्म को वैश्विक स्तर पर बहुत सराहना मिली थी। लेकिन इसके बाद भी बॉक्स ऑफिस पर फिल्म बड़ा कमाल नहीं कर सकी थी।

प्रयागराज में आकाशीय बिजली का कहर

एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज के बारा थाना क्षेत्र स्थित सोनवर्षा हल्लाबोल गांव में शनिवार देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना घटी। तेज गर्जना के साथ गिरी आकाशीय बिजली ने एक ही परिवार के चार सदस्यों की जान ले ली। मृतकों में दंपती वीरेंद्र वनवासी (35), उनकी पत्नी पार्वती (32), और दो मासूम बेटियां राधा (3) व करिश्मा (2) शामिल हैं। यह परिवार मड़ई में दो चारपाइयों पर सो रहा था, जहां बिजली गिरने से मड़ई और चारपाई जलकर राख हो गई। घटना इतनी भयावह थी कि मौके पर पहुंचने वालों की रूह कांप गई। शवों की हालत देखकर ग्रामीण स्तब्ध रह गए। इस हादसे ने पूरे गांव को गहरे शोक में डुबो दिया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी रात में ही घटनास्थल पर पहुंच गए और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। दंपती की चार बेटियां थीं, जिनमें से दो की मौत हो गई, जबकि

दो बच्चियां बाल–बाल बचीं

दो अन्य झ सोन कुमारी (8) और आंचल (6) अपने दादा के पास घर पर होने के कारण सुरक्षित बच गईं। एसडीएम बारा संदीप तिवारी ने पीड़ित परिवार को तीन लाख रुपये की आर्थिक सहायता और एक सरकारी आवास देने की घोषणा की। साथ ही बची हुई दोनों बेटियों को बालिग होने तक चार हजार रुपये मासिक सहायता देने का आश्वासन दिया। प्रशासन ने सभी जरूरी मदद दिलाने का वादा किया है। यह हादसा न सिर्फ एक परिवार के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गहरा सदमा है।

उत्तर प्रदेश में परिवहन विभाग में बड़ा फेरबदल

11आरटीओ और 24 एआरटीओ के तबादले

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में परिवहन विभाग ने एक बार फिर बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया है। विभाग ने 11 क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों (आरटीओ) और 24 सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों (एआरटीओ) का स्थानांतरण कर दिया है। यह बदलाव विभागीय कार्यक्षमता और प्रशासनिक मजबूती को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

झांसी में तैनात क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) प्रभात पांडेय को लखनऊका नया क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) नियुक्त किया गया है, जबकि लखनऊमें कार्यरत संदीप कुमार पंकज को मुरादाबाद भेजा गया है। मेरठ के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) हिमेश तिवारी को प्रयागराज की जिम्मेदारी मिली है, वहीं अनीता सिंह अब मेरठ की क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) होंगी। मिर्जापुर के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी राजेश कुमार वर्मा अब झांसी में प्रवर्तन संभालेंगे, जबकि रविकांत शुक्ला को मिर्जापुर भेजा गया है।

प्रणव झा को बरेली का क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) बनाया गया है और दिनेश कुमार को मुख्यालय में सड़क सुरक्षा एवं प्रदूषण नियंत्रण का कार्य सौंपा गया है। सिद्धार्थनगर में सहायक पद पर कार्यरत सुरेश कुमार मौर्य को बस्ती का क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) नियुक्त किया गया है। प्रयागराज में कार्यरत राजेश कुमार मौर्य को गोंडा भेजा गया है, जबकि गोंडा के उमाशंकर यादव को मुख्यालय में नगर परिवहन, नियोजन तथा जल परिवहन के साथ–साथ अतिरिक्त प्रभार में राजस्व एवं विशेष खुफिया (परिवहन) उपनिदेशक बनाया गया है। प्रयागराज की अलका शुक्ला अब सुल्तानपुर की सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) होंगी। वहीं अमिताभ चतुर्वेदी को सम्भल, भूपेश गुप्त को सुल्तानपुर और राजीव कुमार बंसल को लखनऊ भेजा गया है। सर्वेश चतुर्वेदी को सीतापुर, धनवीर यादव को गाज़ीपुर और नानक चंद्र शर्मा को औरैया में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके अतिरिक्त, रायबरेली के मनोज सिंह को महाराजगंज, हरदोई के संजीव सिंह को उन्नाव, शाहजहांपुर के शांति भूषण को लखीमपुर और बरेली के प्रवेश कुमार सरोज को बरेली सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) बनाया गया है। अमेठी, सहारनपुर, वाराणसी, चित्रकूट, प्रयागराज और ललितपुर सहित कई जनपदों में भी नए अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इस व्यापक फेरबदल से परिवहन विभाग को ज़मीनी स्तर पर नई गति और प्रभावशीलता मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

यूपी में मौसम ने बदली करवट

17 जून से बारिश के आसार

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी से परेशान लोगों के लिए राहत की खबर है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में लू का असर कमजोर पड़ गया है और अगले पांच दिनों तक लू की स्थिति नहीं बनेगी। रविवार से पूर्वी और अवध क्षेत्र में मौसम में बदलाव देखने को मिला, जहां सुबह से धूप के बजाय बादल छाए रहे और गर्म हवाओं का प्रभाव भी कम रहा।

मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ के कारण अब पुरवा हवाएं चलेंगी, जिससे 15 जून से बूंदाबांदी का दौर शुरू होगा। 17 जून से पूर्वी और 19 जून से पश्चिमी यूपी में अच्छी बारिश के आसार हैं। हालांकि, तराई को छोड़कर अन्य क्षेत्रों में उमस भरी गर्मी अगले 1–2 दिन तक बनी रह सकती है।

शनिवार को प्रयागराज प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इसके अलावा कानपुर में 44.9, बांदा में 44.8, आगरा में 43.6, और वाराणसी में 43 डिग्री तापमान रहा। लखनऊऔर सुल्तानपुर में भी तापमान 42.6 डिग्री तक पहुंच गया। हालांकि बुंदेलखंड में पुरवा हवाओं के प्रभाव से तापमान में हल्की गिरावट देखी गई।

मौसम विभाग ने प्रदेश के मथुरा सहित कई जिलों में गरज–चमक के साथ बारिश और वज्रपात की चेतावनी जारी की है। विशेष रूप से प्रयागराज, वाराणसी, सोनभद्र, गोरखपुर, कानपुर, लखनऊ और मेरठ समेत 60 से अधिक जिलों में यह असर देखने को मिल सकता है। इस बदलाव से गर्मी से परेशान लोगों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

अमेठी में भीषण सड़क हादसा

शव ले जा रही एंबुलेंस पिकअप से टकराई, पांच की मौत

यूनिक समय, अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में रविवार सुबह पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ। चौरा गांव के पास माइल स्टोन 59.70 पर एक एंबुलेंस ने तेज रफ्तार में आगे चल रही पिकअप गाड़ी में पीछे से टक्कर मार दी। इस दर्दनाक दुर्घटना में एंबुलेंस सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार, हरियाणा के फिरोजपुर निवासी अशोक शर्मा का शव एंबुलेंस से उनके पैतृक गांव समस्तीपुर (बिहार) ले जाया जा रहा था। एंबुलेंस में मृतक के बेटे राजकुमार शर्मा उर्फ सतीश (26), रिश्तेदार रवि शर्मा (28), फुलो शर्मा (45), और शंभू राय (46) सवार थे। वाहन चला रहे हरियाणा के नूंह जिले के आबिद (28) और सरफराज (30) भी साथ में थे।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एंबुलेंस के परखच्चे उड़ गए। हादसे में राजकुमार, रवि, फुलो, आबिद और सरफराज की मौत हो गई, जबकि शंभू राय को गंभीर हालत में एम्स रायबरेली रेफर किया गया है।

सूचना मिलते ही डीएम संजय कुमार चौहान, एसपी अपर्णा रजत कौशिक और यूपीडा की टीम मौके पर पहुंची। राहत और बचाव कार्य के बाद सड़क से क्षतिग्रस्त वाहन हटाकर यातायात को सामान्य किया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे की वजह तेज रफ्तार और ड्राइवर को झपकी आना हो सकता है।

कांग्रेस का सामाजिक न्याय अभियान

अति पिछड़ी जातियों को हिस्सेदारी दिलाने की पहल

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस ने अति पिछड़ी जातियों को साथ जोड़ने के लिए सामाजिक न्याय आधारित अभियान की शुरुआत की है। लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित भागीदारी न्याय महासम्मेलन में कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयहिंद ने घोषणा की कि अब देश में आबादी के अनुपात में राजनीतिक और संस्थागत हिस्सेदारी सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि देश के 90 प्रतिशत पिछड़े, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदायों का लगातार शोषण हो रहा है। इसकी मुख्य वजह आरक्षण की 50% सीमा और संवैधानिक संस्थाओं में अनुपातिक प्रतिनिधित्व का अभाव है। जयहिंद ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस इन समुदायों को आबादी के अनुपात में सभी संसाधनों में भागीदारी दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने बताया कि 2025 को कांग्रेस ने "संगठन सृजन वर्ष" घोषित किया है, जिसमें 60% से अधिक पद पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों को दिए जाएंगे।

वहीं, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने संविधान की रक्षा को सामाजिक समरसता के लिए अनिवार्य बताया और सभी वर्गों से सांप्रदायिकता और जातीय अन्याय के खिलाफ एकजुट होने की अपील की।

महासम्मेलन में गांव–गांव जाकर सामाजिक न्याय सम्मेलन आयोजित करने की रणनीति बनाई गई है। इस अभियान को सामाजिक क्रांति का आधार बताते हुए प्रदेश कांग्रेस ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए पांच स्तरीय समिति गठन और 18 सूत्रीय कार्ययोजना लागू करने की दिशा में काम शुरू कर दिया है।

उत्तर प्रदेश में 60 हजार सिपाहियों को मिले नियुक्ति पत्र

गृहमंत्री बोले–अब गुंडों को वीआईपी ट्रीटमेंट नहीं

यूनिक समय, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के डिफेंस एक्सपो मैदान में आज का दिन ऐतिहासिक बन गया जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 60,244 नवचयनित सिपाहियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर उन्होंने यूपी पुलिस के भविष्य को नई दिशा देने वाले इन युवाओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब अपराध, दंगे और भ्रष्टाचार के लिए नहीं, बल्कि ईमानदार, पारदर्शी और संवेदनशील पुलिस बल के लिए जाना जाएगा। उन्होंने कहा, "अब यूपी में न कोई गुंडागर्दी बची है, न किसी अपराधी को वीआईपी ट्रीटमेंट मिलता है।" शाह ने आगे कहा कि पहले पुलिस भर्ती में जाति और पैसों की भूमिका होती थी, लेकिन अब तकनीक और पारदर्शिता के माध्यम से बिना खर्ची–पर्ची–सिफारिश के चयन हो रहा है।

गृहमंत्री ने यह भी बताया कि इस बार भर्ती में 12 हजार से अधिक महिलाओं को भी स्थान मिला है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने नवसिपाहियों को याद दिलाया कि गरीब और वंचित वर्ग को उनके व्यवहार और सेवा में मसीहा दिखना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा कि "जितना पसीना ट्रेनिंग में बहाओगे, उतना ही खून ड्यूटी पर बहेगा।" उन्होंने बताया कि बीते आठ वर्षों में प्रदेश सरकार ने 8.5 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां युवाओं को दी हैं और आज का कार्यक्रम इसी पारदर्शिता का उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी आज दंगामुक्त हो चुका है और अब यहां विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने भी युवाओं को शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि आज भर्ती में न कोई पैसा लिया गया और न ही किसी की सिफारिश चली। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने दावा किया कि जुलाई तक देश पूरी तरह नक्सलवाद मुक्त हो जाएगा। इस पूरे आयोजन ने यह संदेश स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश अब एक नया चेहरा ले चुका है कानून, व्यवस्था और पारदर्शिता का।

सार संक्षेप

8.5 लाख नौकरियां : सीएम योगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार ने बीते 8 वर्षों में 8.5 लाख सरकारी नौकरियां दीं। पारदर्शिता और परीक्षा की शुचिता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि यूपी अब सुशासन और युवाओं के अवसरों का नया केंद्र बन गया है।

अहमदाबाद हादसा : 31 शवों की पहचान

यूनिक समय, नई दिल्ली। अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गए 31 लोगों के डीएनए का परिजनों से मिलान हो चुका है। अब तक 12 परिवार शवों की पहचान कर चुके हैं। प्रशासन द्वारा शवों को सुपुर्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

चारधाम यात्रा में हेलीकॉप्टर सेवा स्थगित

यूनिक समय, नई दिल्ली। केदारनाथ हेलीकॉप्टर हादसे के बाद डीजीसीए और यूकाडा ने चारधाम यात्रा के लिए हेलिकॉप्टर उड़ानों पर रोक लगा दी है। सुरक्षा समीक्षा के बाद ही सेवा बहाल की जाएगी। तीर्थयात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

एयर इंडिया क्रैश साइट पर जांच टीम पहुंची

यूनिक समय, नई दिल्ली। लंदन जाने वाली एयर इंडिया फ्लाइट की दुर्घटना स्थल पर जांच ब्यूरो की टीम पहुंची। हादसे में 241 लोगों की मौत हुई। एकमात्र जीवित व्यक्ति की पहचान की जा रही है। ब्लैक बॉक्स और तकनीकी आंकड़ों की समीक्षा शुरू है।

योग जीवन का अभिन्न हिस्सा बने : सैनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि 21 जून को योग दिवस पूरे राज्य में महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। योग को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाने से जीवन में शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभ होते हैं।

बोइंग हादसे में तुर्की टेक्निक नहीं जिम्मेदार

यूनिक समय, नई दिल्ली। तुर्की सरकार ने स्पष्ट किया कि एयर इंडिया के जिस ड्रीमलाइनर विमान की दुर्घटना हुई वह उनके रखरखाव समझौते में शामिल नहीं था। उनका करार केवल बी-777 विमानों तक सीमित है। गलत सूचना पर उन्होंने विरोध दर्ज कराया।

बिहार में बदलाव के लिए वोट करें : किशोर

यूनिक समय, नई दिल्ली। जन सुराज के प्रशांत किशोर ने बिहार में जनता से अपील की कि वे अपने बच्चों के भविष्य और प्रदेश के गौरव के लिए वोट करें।
उन्होंने कहा कि अब नारे नहीं, नीतियों और योजनाओं से बिहार को आगे ले जाने का समय है।

जयशंकर ने फ्रांस से सहयोग की सराहना की

यूनिक समय, नई दिल्ली। फ्रांस यात्रा के समापन पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत को फ्रांस के समर्थन की सराहना की। उन्होंने राष्ट्रपति मैक्रों और विदेश मंत्री बैरोट से द्विपक्षीय, रक्षा और तकनीकी सहयोग पर विस्तृत चर्चा की।

अहमदाबाद के बाद केदारनाथ में हेलीकॉप्टर क्रैश

सात श्रद्धालुओं की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। केदारनाथ धाम यात्रा के दौरान एक बार फिर दर्दनाक हादसा हुआ जब हेली आर्यन कंपनी का हेलीकॉप्टर रविवार की सुबह क्रैश हो गया। यह हेलीकॉप्टर गुप्तकाशी से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में छह श्रद्धालुओं और एक दो साल के बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई।

यह हेलीकॉप्टर सुबह 5:21 बजे गुप्तकाशी से रवाना हुआ था और 6:13 बजे तक केदारनाथ नहीं पहुंचा। संदेह होने पर कंपनी ने जानकारी दी, जिसके बाद रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। एक नेपाली व्यक्ति और कुछ महिलाओं ने घटनास्थल के पास धुएं का गुबार देखा, जिससे दुर्घटना की पुष्टि हुई। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं और बताया कि हेलीकॉप्टर में आग लग गई थी, जिससे सभी सवारों की मौत हो गई। दुर्घटना में जान गंवाने वालों में कैप्टन राजबीर सिंह चौहान, श्रद्धालु विक्रम रावत, विनोद देवी, तृष्टि सिंह, राजकुमार सुरेश जायसवाल, श्रद्धा राजकुमार जायसवाल और दो वर्षीय बालक काशी शामिल हैं।

आर्यन हेली कंपनी के एक पायलट ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि कंपनी पर ईंधन की बचत करने का दबाव रहता है, जिससे पायलट निर्धारित ऊंचाई से नीचे उड़ान भरते हैं। साथ ही, घाटी में अचानक मौसम बदलने, धुंध और बादलों की मौजूदगी दुर्घटना की वजह बनती है।

डीजीसीए ने हाल ही में एक निर्देश जारी कर एक घंटे में अधिकतम दो या तीन उड़ानों की अनुमति दी थी, वह भी मौसम की स्थिति के अनुसार। यात्रियों की संख्या भी फ्यूल और तापमान के हिसाब से तय की जानी चाहिए।

एक हेलीकॉप्टर में अधिकतम छह सवारों की अनुमति है, परंतु इस उड़ान में दो साल का बच्चा अतिरिक्त था, जिससे कुल संख्या सात हो गई। यही नहीं, आर्यन हेली कंपनी का हेलीकॉप्टर 2022 में भी गरुड़चट्टी क्षेत्र में क्रैश हो चुका है, जिसमें सात लोगों की मौत हुई थी। यह हादसा न केवल एक तकनीकी चूक का परिणाम है बल्कि हेली सेवाओं के संचालन में बरती जा रही लापरवाही और अधिक लाभ कमाने की होड़ का भी भयावह उदाहरण है। इससे केदारनाथ यात्रा की हवाई सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

उत्तराखंड हेलीकॉप्टर हादसे की जांच के आदेश

यूनिक समय, नई दिल्ली। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ हादसे की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति गठित की है। सभी तकनीकी और सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा कर एसओपी बनाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

ओएनजीसी कुएं में गैस रिसाव चौथे दिन भी जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। असम के शिवसागर जिले में ओएनजीसी के रुद्रसागर तेल क्षेत्र के एक कुएं से गैस का रिसाव लगातार चौथे दिन भी जारी है। यह रिसाव 12 जून को भाटियापार के बारीचुक गांव स्थित कुआं संख्या आरडीएस 147ए से शुरू हुआ, जिसे एक निजी फर्म एसके पेट्रो सर्विसेज द्वारा संचालित किया जा रहा था।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 70 परिवारों को पास के बनगांव स्थित राहत शिविर में स्थानांतरित किया गया है। जिला प्रशासन के अनुसार, गैस की गंध और खतरे के कारण लगभग 1,500 लोग प्रभावित हुए हैं। प्रभावित लोगों को पका हुआ भोजन दिया जा रहा है और स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ पशुपालन विभाग की टीमें उनकी स्थिति पर निगरानी रख रही हैं।

ओएनजीसी के निदेशक (प्रौद्योगिकी एवं फील्ड सेवाएं) विक्रम सक्सेना की अगुवाई में संकट प्रबंधन दल ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्यों की निगरानी शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि कुएं को नष्ट करने की प्रक्रिया जारी है और फिलहाल आग लगने की कोई घटना नहीं हुई है।

यूके फाइटर जेट की इमरजेंसी लैंडिंग

यूनिक समय, नई दिल्ली। केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर शनिवार रात एक हाई-प्रोफाइल इमरजेंसी लैंडिंग हुई, जब यूके नेवी का एडवांस्ड एफ-35 फाइटर जेट मजबूरी में भारतीय जमीन पर उतरा। यह लड़ाकू विमान प्रशिक्षण उड़ान पर था और इसे अरब सागर में मौजूद ब्रिटिश युद्धपोत पर लैंड करना था, लेकिन खराब मौसम के कारण ऐसा संभव नहीं हो पाया।

जानकारी के अनुसार, यूके नेवी का युद्धपोत तिरुवनंतपुरम से करीब 100 नॉटिकल मील की दूरी पर मौजूद था। लगातार प्रयासों के बावजूद जब मौसम के कारण फाइटर जेट की शिप पर लैंडिंग नहीं हो पाई, तो विमान का ईंधन संकट में आ गया। हालात को देखते हुए पायलट ने तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी।

एयरपोर्ट अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सभी औपचारिकताओं

फाइटर जेट तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर उतरा

और जांच के बाद शनिवार रात लगभग 9 बजे जेट को लैंडिंग की इजाज़त दी गई। लैंडिंग सफल रही और पायलट सुरक्षित रहा, जिससे संबंधित एजेंसियों ने राहत की सांस ली।

फिलहाल, यह फाइटर जेट तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट के डोमेस्टिक हैंगर में रखा गया है और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। विमान को ईंधन भरने और दोबारा उड़ान की अनुमति देने से पहले सभी कानूनी और तकनीकी जांचें पूरी की जाएंगी।

गौरतलब है कि हाल ही में 9 और 10 जून को नॉर्थ अरेबियन सी में भारत और यूके की नौसेनाओं के बीच एक संयुक्त युद्धाभ्यास हुआ था, जिसमें यह एफ-35 भी शामिल था।

गूगल मैप ने फिर दिखाया गलत रास्ता

कार 40 फीट गहरे गड्ढे में गिरी, चार लोग घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां गूगल मैप के भरोसे चल रहे एक परिवार की कार अधूरे बाईपास पर चढ़ने के बाद 40 फीट गहरे गड्ढे में गिर गई। हादसे में कार सवार चार लोग घायल हो गए, लेकिन सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई।

यह हादसा कुशहा गांव के पास कोल्हुई थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात हुआ। बस्ती जिले के निवासी यह परिवार नेपाल से लौट रहा था और सोनौली से गोरखपुर की ओर जा रहा था। गूगल मैप के निर्देश पर उन्होंने कोल्हुई बाईपास की ओर रुख किया, लेकिन रास्ते में लगी बैरिकेडिंग और डायवर्जन साइन को नजरअंदाज कर वे निर्माणाधीन फ्लाईओवर पर चढ़ गए। अचानक चालक को एहसास हुआ कि सामने सड़क नहीं है, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी और कार गड्ढे में जा गिरी। हादसे में घायल जसविंदर सिंह, आकाश श्रीवास्तव, काजल आर्या और रोकैया को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्रेन से कार को बाहर निकलवाया और मामले की जांच शुरू की। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब गूगल मैप के निर्देशों पर चलते हुए ऐसा हादसा हुआ हो। कुछ दिनों पहले भी फरेंदा क्षेत्र में एक कार अधूरे फ्लाईओवर से नीचे लटक गई थी। यह घटनाएं दिखाती हैं कि तकनीक के भरोसे चलने से पहले ज़मीनी सच्चाई को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

केन्या में सड़क हादसे में पांच केरलवासियों की मौत

शव लौटे स्वदेश

यूनिक समय, नई दिल्ली। अफ्रीकी देश केन्या में हुई एक दुखद सड़क दुर्घटना में केरल के पांच निवासियों की मृत्यु हो गई। मृतक एक निजी अवकाश पर केन्या गए थे और न्यांदरुआ काउंटी में हादसे का शिकार हो गए। रविवार को उनके शव कतर एयरवेज की उड़ान से कोच्चि स्थित नेदुम्बस्सेरी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। मृतकों में दो बच्चे डेढ़ साल की रूही मेहरीन और सात साल की तीरा रोड्रिग्स भी शामिल हैं।

उद्योग मंत्री पी. राजीव ने एयरपोर्ट पर पहुंचकर शवों को श्रद्धांजलि दी और परिजनों को राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। शवों को परिवार की इच्छा के अनुसार सीधे उनके निवास स्थानों मूवट्टुपुझा, मावेलिककारा और पलक्कड़ भेजा गया। कुछ मृतकों का अंतिम संस्कार रविवार को और कुछ का मंगलवार को किया जाएगा।

सरकार को शव लाने में पीत ज्वर टीकाकरण प्रमाणपत्र से जुड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, जिसे मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के हस्तक्षेप से सुलझाया गया। मुख्यमंत्री ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर को पत्र लिखकर शवों की शीघ्र और सम्मानजनक वापसी के लिए सहयोग मांगा था। विदेश मंत्रालय और केन्या स्थित भारतीय उच्चायोग ने सभी आवश्यक औपचारिकताओं और लॉजिस्टिक सहायता में सक्रिय भूमिका निभाई। उद्योग मंत्री ने घायल व्यक्तियों से भी भेंट की और उन्हें शीघ्र अस्पताल में भर्ती कराने की व्यवस्था की जा रही है। यह हादसा उन परिवारों के लिए गहरा आघात है जो एक सुखद यात्रा की उम्मीद में निकले थे।

दिल्ली में बारिश से राहत

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में तेज हवाओं और भारी बारिश ने तापमान में गिरावट लाकर लोगों को गर्मी से राहत दी। कृषि भवन से बारिश का दृश्य वायरल हुआ। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे तक हल्की वर्षा की संभावना जताई है।

जवाहर बाग से योग सप्ताह की हुई भव्य शुरुआत

21 जून को होगा 'योग संगम'

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जवाहर बाग में अंतर्राष्ट्रीय योग सप्ताह का शुभारंभ भव्य समारोह के साथ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व ऊर्जा मंत्री व विधायक श्रीकांत शर्मा, विधायक पूरन प्रकाश व राजेश चौधरी, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना, नगर आयुक्त जग प्रवेश, एवं उपजिलाधिकारी सदर द्वारा दीप प्रज्वलन एवं भगवान धन्वंतरि की पूजा के साथ किया गया।

आयुष विभाग के अधिकारियों डॉ. गोपाल सिंह, डॉ. अमृत कुमार, डॉ. बृजेश एवं डॉ. वसुंधरा शर्मा ने अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया। इस अवसर पर योगाभ्यास विवरणिका का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से कॉमन योग प्रोटोकॉल पर आधारित योग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें योगाचार्य सौरभ सिंह, शन्नो शुक्ला और पारुल शर्मा ने योग अभ्यास करवाते हुए उसके स्वास्थ्य लाभ भी समझाए। साथ ही, सामान्य योग सिद्धांतों पर भी प्रकाश डाला गया। जनपद के सभी ब्लॉकों, तहसीलों, घाटों, अमृत सरोवर, कारागारों, छात्रावासों, दिव्यांग विद्यालयों और रमन रेती जैसे प्रमुख स्थलों पर भी योग सप्ताह का शुभारंभ हुआ। समापन अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने लोगों को 21 जून को होने वाले मुख्य आयोजन में भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इस वर्ष योग सप्ताह को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर विशेष गतिविधियों योग पार्क, योग अनप्लग्ड, एवं हरित योग के साथ मनाया जाएगा। हरित योग के तहत "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान में वृक्षारोपण को भी प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. नेहा द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. अमित गुप्ता, डॉ. सचिन शर्मा, डॉ. प्रतिज्ञा चौहान सहित कार्यालय व चिकित्सालय स्टाफ का योगदान सराहनीय रहा। मुख्य आयोजन 'योग संगम' 21 जून को स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा में होगा, जिसमें सभी मथुरा वासियों से परिवार सहित भाग लेने का आह्वान किया गया है।

पुणे में बड़ा हादसा : इंद्रायणी नदी पर पुल टूटा

40 से 35 लोगों की बहने की आशंका, तीन की मौत

यूनिक समय, मथुरा। महाराष्ट्र के पुणे जिले में रविवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया जब मावल तालुका के कुंडमाला क्षेत्र में इंद्रायणी नदी पर बना एक पुराना पुल टूट गया। इस हादसे में पुल पर मौजूद करीब 100 लोगों में से 35 से 40 लोगों के बह जाने की आशंका है, जबकि अब तक 3 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से जारी है और 38 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है।

घटना के समय पुल पर भारी भीड़ थी, क्योंकि रविवार के कारण बड़ी संख्या में पर्यटक वहां मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ लोग टू व्हीलर लेकर पुल पर चढ़ गए थे, जिससे पुल पर ओवरलोड हो गया और वह टूट गया। बताया जा रहा है कि यह पुल पहले से ही जर्जर अवस्था में था।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, एम्बुलेंस और एनडीएआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं। करीब 10–12 एम्बुलेंस रेस्क्यू में लगी हुई हैं।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम अजित पवार ने घटना पर दुख जताते हुए राहत और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। सुप्रिया सुले ने भी इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया और नागरिकों से मानसून में पर्यटन के दौरान सतर्क रहने की अपील की है। फिलहाल घटनास्थल पर हालात संवेदनशील हैं और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

महिला जनसुनवाई कल

यूनिक समय, मथुरा। जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चंद्र के मुताबिक 16 जून को उप्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान महिला जनसुनवाई करेंगी। महिलाओं की समस्याओं के संबंध में जनसुनवाई लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन सभागार/ पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस, सिविल लाइन्स में पूर्वाह्न 11 बजे की जाएगी।

315 बोर के चार कारतूसों के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मगोर्रा पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चार 315 बोर के कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने सौंख नाले की पुलिया के समीप वहां से जाते युवक राकेश निवासी नगला खेरा सौंख को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तलाशी के दौरान उसके कब्जे से चार जिंदा कारतूस बरामद किए है।

लेखपाल संघ की बैठक संपन्न हुई

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ शाखा के द्वारा तहसील महावन व सदर तहसील में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में वक्ताओं ने लेखपाल की समस्याओं व मांगो को लेकर विचार मंथन किया। संघ जिला अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल ने कहा कि जो भी लेखपालों की समस्या होगीं उनका तहसील स्तर पर समस्याओं का समाधान किया जाएगा। साथ श्री अग्रवाल ने जिला स्तरीय समस्याओं एवं लेखपालों की मांगो को गंभीरता से लेते हुए कहा कि समाधान शीघ्र ही किया जाएगा। बैठक में नितिन चतुर्वेदी, पवन कुमार उपस्थित रहे।

अलीगढ़ में तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने चार बच्चों को कुचला

एक की हालत नाजुक

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ जनपद के छर्रा–सांकरा मार्ग पर रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार मासूम बच्चे ट्रैक्टर की चपेट में आ गए। करिश्मा (16), वर्षा (16), शिवानी (15), और अर्पित (4) अपने खेत से पशुओं के लिए भूसा लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान दादों कस्बे की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें कुचल दिया। दुर्घटना में चारों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसा सुबह लगभग 11 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर की रफ्तार बहुत अधिक थी और चालक ने बच्चों को देख कर भी ब्रेक नहीं लगाया। टक्कर के बाद राहगीरों ने हिम्मत दिखाते हुए ट्रैक्टर को रोक लिया, लेकिन चालक मौका पाकर फरार हो गया।

स्थानीय लोगों की मदद से घायल बच्चों को तुरंत छर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। डॉक्टरों ने तीन घायलों का उपचार वहीं शुरू कर दिया, जबकि शिवानी की हालत गंभीर होने के कारण उसे जिला अस्पताल अलीगढ़ रेफर किया गया।

घटना के बाद पूरे गांव में गुस्से और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से दोषी चालक की शीघ्र गिरफ्तारी और पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की मांग की है। पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया है और फरार चालक की तलाश में टीमें लगाई गई हैं।

यह हादसा ग्रामीण इलाकों में बढ़ते सड़क हादसों और लापरवाह ड्राइविंग की एक और कड़ी बन गया है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा पर गहरा सवाल उठ खड़ा हुआ है।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :– यूनिक बिल्डिंग, 289–290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक–पवन गौतम। फोन नंबर–0565–2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053